बेमिसाल 23 वें साल में क्रांतिरथ छत्तीसगढ़

पाक्षिक

क्रांतिरथ छत्तीसगढ़

सामाजिक क्रांति के पथ पर अग्रसर

स्थापना दिवस विशेष

प्रभारी समितियों ने पटेवा स्थित सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का किया निरीक्षण, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर दिया जोर

◆ वर्ष - 23 ◆ अंक - 01 ◆ रायपुर 05 जुलाई 2026 ◆ पृष्ठ - 08 ◆ मूल्य-5/- रुपया

वैभव सूर्यवंशी ने रच दिया इतिहास

नई'दिल्ली । बेबी बॉस' वैभव सूर्यवंशी ने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में डेब्यू कर इतिहास रच दिया। 15 साल के वैभव अब भारत के लिए सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। इस दौरान उन्होंने सचिन तेंदुलकर और शेफाली वर्मा को पछाड़ दिया। भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी को भी मौका मिला। शनिवार (4 जुलाई) को मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में आयोजित मुकाबले में वैभव ने मैदान पर उतरते ही इतिहास रच दिया। बाएं हाथ के बल्लेबाज वैभव अब भारत के लिए सबसे कम उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू करने वाले क्रिकेटर बन गए। वैभव को डेब्यू कैप उप-कप्तान तिलक वर्मा ने थमाई। वैभव भारत के लिए टी20 इंटरनेशनल खेलने वाले 122वें खिलाड़ी हैं। वैभव सूर्यवंशी ने 15 साल और 99 दिन की उम्र में अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया है।

हाईकोर्ट ने शिक्षकों की सभी 24 याचिकाएं खारिज की

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने राज्य सरकार की सरकारी स्कूलों में शिक्षकों और शालाओं के युक्तियुक्तकरण की नीति को पूरी तरह सही ठहराते हुए उस पर अपनी मुहर लगा दी है। हाई कोर्ट के जस्टिस विभु दत्त गुरु की एकल पीठ ने इस नीति को चुनौती देने वाली छत्तीसगढ़ विद्यालय शिक्षक कर्मचारी संघ सहित प्रदेश भर के शिक्षकों द्वारा दायर सभी 24 से अधिक याचिकाओं को सिरे से खारिज कर दिया है। हाई कोर्ट ने अपने महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया कि स्कूलों में शिक्षकों का तर्कहीन या असमान वितरण बच्चों की शिक्षा को प्रभावित करता है। इसे सुधारने के लिए सरकार द्वारा उठाया गया यह कदम बड़े जनहित में है। अदालत ने टिप्पणी करते हुए यह भी कहा कि स्थानांतरण और पदस्थापना पूरी तरह से सरकार के प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र का हिस्सा है।

चलते ई-रिक्शा को बंद करने वाले चाइनीज एप बैन

नई दिल्ली। दिल्ली समेत कई शहरों में ई-रिक्शा चालकों के लिए परेशानी बने 3 एप को सरकार ने एप स्टोर से हटाने के आदेश दिए हैं। ये एप बीएटी-बीएमएस, लॉसिजी और इपोच ली-आयन हैं। आईटी मंत्रालय ने इसकी जानकारी शुक्रवार को दी। हालांकि, ये एप प्ले स्टोर पर अब भी मौजूद हैं। हाल ही में शिकायतें मिली थीं कि कुछ लोग इन एप से ब्लूटूथ के जरिए ई-रिक्शा की बैटरी को बंद कर चलते ई-रिक्शा को रोक देते थे। इससे चालकों को काफी परेशानी हो रही थी। इन घटनाओं के वीडियो भी वायरल हुए।

विक्रम 1 मिशन : 12 जुलाई से 4 अगस्त के बीच लॉन्च होगा पहला निजी ऑर्बिटल रॉकेट

स्पेस में भारत रचने जा रहा नया इतिहास

नई दिल्ली। भारत की निजी स्पेस कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस ने अपने पहले ऑर्बिटल रॉकेट 'विक्रम-1' की टेस्ट फ्लाइट 'मिशन आगमन' की घोषणा कर दी है। यह भारत का पहला निजी ऑर्बिटल रॉकेट होगा, जिसे 12 जुलाई से 4 अगस्त के बीच लॉन्च करने की योजना है। इसे देश के अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। कंपनी ने बताया कि विक्रम-1 रॉकेट को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के फर्स्ट लॉन्च पैड पर स्थापित कर दिया गया है। फिलहाल अंतिम तकनीकी जांच और लॉन्च की तैयारियां चल रही हैं। रॉकेट को पृथ्वी से करीब 450 किलोमीटर ऊंची लो अर्थ ऑर्बिट में स्थापित करने का लक्ष्य है। स्काईरूट एयरोस्पेस का कहना है कि 'मिशन आगमन' भारत के निजी अंतरिक्ष कार्यक्रम की नई शुरुआत है। मिशन सफल होने पर भारतीय निजी कंपनियों को वैश्विक स्पेस लॉन्च बाजार में नई पहचान मिलेगी और देश की अंतरिक्ष तकनीक को भी मजबूती मिलेगी। कंपनी ने इस मिशन में सहयोग के लिए इसरो और इन-स्पैक ई का धन्यवाद किया। सोशल मीडिया पर कंपनी ने लिखा, "एक रॉकेट, एक अरब भरोसे।" अब पूरे देश की नजरें लॉन्च विंडो पर हैं और सभी इस ऐतिहासिक मिशन की सफलता का इंतजार कर रहे हैं।

सहकारिता से बढ़ेगी किसानों की आय, विकसित छत्तीसगढ़ की नींव होगी मजबूत - मुख्यमंत्री साय

पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, वनोपज, मत्स्य पालन और ग्रामीण उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में भी सहकारिता को मिल रहा है बढ़ावा

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय का गठन देश के विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक निर्णय है। यह निर्णय 'सहकार से समृद्धि' के संकल्प को साकार करने वाला है। डबल इंजन की सरकार छत्तीसगढ़ में सहकारिता के माध्यम से किसानों, वनवासियों, महिला समूहों और ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने तथा उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मंडपम में भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के पांच वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन एवं सहकारी सप्ताह कार्य₹ म को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर उत्कृष्ट समितियों को सहकार प्रेरणा पुरस्कार प्रदान किया तथा संग्रहण वर्ष 2023 के 7.14 लाख तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए 162 करोड़ रुपये से अधिक की प्रोत्साहन पारिश्रमिक राशि के वितरण का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि मैं किसान का बेटा हूं और बचपन से ही सहकारिता से मेरा गहरा रिश्ता रहा है। तभी से मुझे विश्वास था कि सहकारिता के क्षेत्र में असीम संभावनाएं हैं। आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'सहकार से समृद्धि' का वही सपना धरातल पर साकार होता दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रथम कार्यकाल में उन्हें राज्यमंत्री के रूप में साथ काम करने का अवसर मिला और उन्होंने किसानों के प्रति प्रधानमंत्री की संवेदनशीलता तथा समर्पण को बहुत करीब से देखा है। किसानों के कल्याण के प्रति इसी प्रतिबद्धता के कारण प्रधानमंत्री ने कृषि मंत्रालय का दायरा बढ़ाते हुए उसका नाम 'कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय' किया, ताकि किसानों का समग्र विकास सरकार की प्राथमिकता बने। सहकारिता किसानों की आय बढ़ाने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और आत्मनिर्भरता का सबसे प्रभावी माध्यम बन रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में सहकारिता क्षेत्र को नई दिशा मिली है और इसका लाभ सीधे किसानों एवं ग्रामीण परिवारों तक पहुंच रहा है।

किसानों की आय बढ़ाने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और आत्मनिर्भरता का सबसे प्रभावी माध्यम बन रही है सहकारिता

उत्कृष्ट सहकारी समितियों को सहकार प्रेरणा पुरस्कार से किया गया सम्मानित, महिला स्व सहायता समूह को वितरित किया गया लाभांश

नगरीय निकायों में एल्डरमैन की नियुक्ति का आदेश जारी

रायपुर। राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने तीन संभागों बिलासपुर, बस्तर और दुर्ग के नगरीय निकायों में नामांकित पार्षदों (एल्डरमैन) की सूची जारी की है। विभाग द्वारा विगत 25 जून को रायपुर और सरगुजा संभागों के नगरीय निकायों में नामांकित पार्षदों (एल्डरमैन) की सूची जारी की गई थी। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने दुर्ग नगर निगम में मदन बढ़ई, चमेली साहू, अनूप सोनी, तुलसी यादव, दशरथ निर्मलकर, गौरव शर्मा, तेखन सिन्हा, कांतिलाल जैन (गोलू) एवं नरेश तेजवानी को पार्षद नामांकित किया है। विभाग द्वारा कुम्हारी नगर पालिका में मनहरण साहू, गोविंदी गोस्वामी, सुनीता कुर्रे, श्री अवधेश शुक्ला एवं प्रणव श्रीवास्तव को तथा अमलेश्वर नगर पालिका में सुनील शर्मा, भारती यादव, लक्ष्मी देवांगन, हीरालाल साहू एवं रामाधार साहू को एल्डरमैन नियुक्त किया गया है।

यूएपीए के तहत 23 लोग आतंकी घोषित

केंद्र सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 23 लोगों को गैर-कानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत आतंकवादी घोषित किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि सरकार आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है और देश की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

गृह मंत्रालय के अनुसार, घोषित किए गए 23 आतंकवादियों में 17 पाकिस्तान के नागरिक हैं, जबकि 6 भारतीय मूल के हैं। अधिकारियों का कहना है कि ये सभी फिलहाल पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) से भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने में सरि य हैं। जांच एजेंसियों के मुताबिक, ये लोग जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा, जमात-उद-दावा और द रेसिस्टेंस फ्रंट जैसे प्रतिबंधित आतंकी संगठनों से जुड़े रहे हैं। इन पर आतंकियों की भर्ती, प्रशिक्षण, घुसपैठ, हथियारों की तस्करी, ड्रोन के जरिए हथियार पहुंचाने, फंडिंग और आतंकी हमलों की साजिश रचने जैसे गंभीर आरोप हैं। कुछ के नाम भारत में हुए बड़े आतंकी हमलों की जांच में भी सामने आ चुके हैं।

यूएपीए के तहत किसी व्यक्ति को आतंकवादी घोषित किए जाने के बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) उसकी संपत्ति जब्त कर सकती है, बैंक खाते फ्रीज कर सकती है और उससे जुड़े आर्थिक लेनदेन व अन्य गतिविधियों पर कार्रवाई कर सकती है। सरकार का कहना है कि यह कदम देश की सुरक्षा मजबूत करने और आतंकवाद के नेटवर्क पर कड़ी चोट करने के उद्देश्य से उठाया गया है। गृह मंत्रालय ने जिन 23 व्यक्तियों को आतंकवादी घोषित किया है, उनमें मसूद इलियास कश्मीरी, मोहम्मद मुसादिक, मुफ्ती मोहम्मद असगर खान, हाफिज अब्दुल शकूर, अब्दुल्ला जिहादी, फिरदौस अहमद भट, गुलाम फरीद, हारून रशीद गनई, बिलाल अहमद मीर, आबिद कयूम लोन, नजीर अहमद गुज्जर, अब्दुल रऊफ, अशफाक अहमद, हाफिज खालिद वालीद, मौलाना इमदाद उल्लाह मक्की, मौलाना सैफुल्लाह खालिद, मोहम्मद याकूब, मौलाना यूसुफ ताईबी, ओवैस फारूज, कारी याकूब शेख, राणा इफ्तिखार, वसीम नूर जाट और मोहम्मद शहीद फैसल शामिल हैं।

भाटापारा क्षेत्र में आया मानसून झूम के दो दिनों में 29 मिलीमीटर बारिश हुई

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। शहर व क्षेत्र में देर आये दुरूस्त आये की तर्ज पर पिछले दो दिनों में 29 मिलीमीटर बारिश होने से लोगो ने राहत की सांस ली है। रूक रूककर पिछले दो दिनों की बारिश से सड़के , नदी व तालाब में अब थोड़ा थोड़ा पानी दिखने लगा है । लेकिन शहर की नालियों में हल्कि वर्षा के बाद भी गंदे जल का सड़क पर बहाव निश्चित रूप से सफाई व्यवस्था की पोल खोलता है । बारिश के बाद नाली के रास्ते तमाम कुरकुरे , चिप्स , डिस्पोजल , प्लास्टिक व पानी पाउच के कचरो से शहर के तमाम सड़क पट गये है जगह जगह झिल्ली व कचरों के कारण सफाई व्यवस्था की पोल खुल गई है । गिरते पानी में सड़क सफाई का काम बंद प्रायः स्थिति में हैजिसके कारण चारो तरफ जल भराव के बीच कचरा भराव से सड़क बदसुरत नजर आने लगा है ।

इधर दो दिन की रूक रूककर हो रही बारिश से कुछ हद तक भू - जल स्तर भी सुधरा है वहीं खेती के कार्य में अब तेजी आने की भरपुर संभावना बन गई है । लगातार बारिश से शहर का बाजार , बाजार के दिन रविवार होने के बावजूद सन्नाटा से भरपुर रहा । बारिश से तरबतर होकर सब्जी बाजार में लोग कीचड़ से हलाकान होते रहे इसी तरह संपूर्ण कृषि उपज मंडी मार्ग में जगह जगह जल भराव के हालात उत्पन्न हो गये है क्योकि एक लंबे समय से मंडी मार्ग जर्जर हालत में ज्यौ का त्यौ वाली स्थिति में पड़ा हुआ है वहीं बस स्टैण्ड क्षेत्र में भी जल भराव की स्थिति बनी हुई है । रेलवे अंडर ब्रिज हटरी बाजार के बाजू से बनाये सर्विस रोड में भी जल भराव के हालात बने हुए है वहीं अंडर ब्रिज से पानी रिसाव के कारण लोगो बूंद बूंद पानी की मार सहते हुए अंडर ब्रिज के रास्ते से आना जाना पड़ रहा है। दो दिन की सामान्य बारिश के बाद सुखी पड़ी शिवनाथ नदी सेमरिया घाट में अब जल प्रवाह के कारण रौनक लौट आई है वहीं अनेक तालाब व डबरी जो बिना पानी के सुख चुके थे वहां पर अब थोड़ा थोड़ा जल दिखने लगा है । पानी के कारण लोग अब शांति का अनुभव कर रहे है ।

मुलाकात... मुख्यमंत्री धामी से मिले छत्तीसगढ़ के मीडिया प्रतिनिधि

देवभूमि और छत्तीसगढ़ के बीच बढ़ा वैचारिक सेतु

रायपुर। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री निवास (देहरादून) में छत्तीसगढ़ के मीडिया प्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों की उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से एक अत्यंत गरिमामय और सौजन्य भेंट हुई। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री धामी ने छत्तीसगढ़ की मीडिया टीम और अधिकारियों के साथ अपने अनुभव साझा किए और उत्तराखंड के बहुआयामी विकास, सांस्कृतिक धरोहर तथा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किए जा रहे अभूतपूर्व कार्यों की जानकारी दी। मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि राज्य सरकार "विकास भी, विरासत भी" के मूल मंत्र पर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि नैनीताल, गढ़वाल और कुमाऊं क्षेत्रों के लिए अलग-अलग विकास प्राधिकरणों का गठन कर उनके विकास के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसका मुख्य उद्देश्य इन क्षेत्रों का संतुलित सामाजिक, आर्थिक और नैसर्गिक विकास करना है, ताकि यहां की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को अक्षुण्ण रखते हुए आधुनिक सुविधाओं का विस्तार किया जा सके। उत्तराखंड के ?मुख्यमंत्री श्री धामी ने जोर देकर कहा कि उत्तराखंड ऋषियों, मुनियों और संतों की पावन तपोस्थली है। इस देवभूमि की आध्यात्मिक पहचान को संभालना हम सभी का परम दायित्व है। उन्होंने नैसर्गिक संपदा (प्राकृतिक संसाधनों) के संरक्षण पर विशेष बल दिया, ताकि भविष्य में आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और समृद्ध पर्यावरण संजोकर रखा जा सके।

छत्तीसगढ़ सरकार की भूमिका अनुकरणीय

संवाद के दौरान मुख्यमंत्री श्री धामी ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री की दूरगामी सोच की जमकर सराहना की। उन्होंने सीएम श्री साय की मंशानुरूप इस महत्वपूर्ण भ्रमण कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध सिंह और संयुक्त सचिव सह आयुक्त जनसंपर्क श्री रजत बंसल को विशेष रूप से बधाई दी। श्री धामी ने इस बात को रेखांकित किया कि देश के लोकतंत्र के चौथे स्तंभ (मीडिया) की स्वतंत्रता को अक्षुण्ण रखने और पत्रकार कल्याण से जुड़ी सुविधाओं के विस्तार में छत्तीसगढ़ देश में अग्रणी राज्य रहा है। अधिकारियों के कुशल नेतृत्व में ऐसे अंतर्राज्यीय भ्रमणों से दोनों राज्यों के बीच वैचारिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को एक नया आयाम मिलता है।

हरिद्वार कुंभ के लिए विशेष आमंत्रण

भेंट के सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने छत्तीसगढ़ के साथ-साथ देश के अन्य राज्यों के मीडिया दल को अगले वर्ष हरिद्वार में आयोजित होने वाले भव्य महाकुंभ के लिए सस्नेह आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री श्री धामी ने एक बड़ा दृष्टिकोण साझा करते हुए कहा कि कुंभ के पावन अवसर पर देश के सभी राज्यों के मीडिया प्रतिनिधियों को एक-एक अवसर दिया जाना चाहिए। इस भ्रमण दल में मुख्यमंत्री श्री धामी से मिलने वालों में दुर्ग,रायपुर,कोरबा,जगदलपुर,बिलासपुर,राजनांदगांव,कोरिया और धमतरी जिले के मीडिया प्रतिनिधी और छत्तीसगढ़ जनसंपर्क संचालनालय के अधिकारी शामिल रहे।

चिंतन शिविर 3.0 से सुशासन के अगले चरण की रूपरेखा तैयार होगी - मुख्यमंत्री

रायपुर। चिंतन शिविर 3.0 का उद्देश्य शासन-प्रशासन को अधिक प्रभावी, आधुनिक, पारदर्शी और जनहितैषी बनाते हुए विकसित छत्तीसगढ़ के लिए दूरदर्शी नीति-निर्माण की मजबूत आधारशिला तैयार करना है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रायपुर में सुशासन एवं अभिसरण विभाग तथा आईआईएम रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय मंत्रिमंडल चिंतन शिविर में मुख्यमंत्री, मंत्रिपरिषद के सदस्य तथा देश के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने शासन के विभिन्न आयामों पर व्यापक मंथन करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि चिंतन शिविर केवल विचार-विमर्श का मंच नहीं, बल्कि शासन की कार्यसंस्कृति में निरंतर सुधार और नवाचार का माध्यम बन चुका है। पिछले दो संस्करणों से प्राप्त सुझावों को सरकार ने प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारा है, जिसके सकारात्मक परिणाम आज प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था में स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि शासन में तकनीक, पारदर्शिता, जवाबदेही और जनसरोकारों को केंद्र में रखकर आगे बढ़ना ही इस शिविर का मूल उद्देश्य है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि चिंतन शिविर 3.0 के प्रथम दिवस में नेतृत्व विकास, सुशासन, उभरती प्रौद्योगिकियों तथा कृषि समृद्धि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत सत्र आयोजित किए गए।

संक्षिप्त समाचार

बारिश से खिले किसानों के चेहरे, खेतों में लौटी रौनक

मानसून की बारिश से किसानों में उत्साह, बुवाई कार्य ने पकड़ी रफ्तार

थानखम्हरिया। विगत लगभग 15 दिनों से बारिश का इंतजार कर रहे किसानों के चेहरे आखिरकार मानसून की बारिश से खिल उठे हैं। अच्छी वर्षा होने के बाद खेतों में फिर से रौनक लौट आई है और किसानों ने बचे हुए खेतों में बुवाई कार्य तेज कर दिया है। लगातार पड़ रही भीषण गर्मी और उमस से आम जनजीवन भी प्रभावित हो रहा था, लेकिन बारिश के बाद मौसम सुहावना हो गया है, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली है। कृषि विकास अधिकारी दिनेश कुमार धुर्वे ने बताया कि मानसून का आगमन किसानों और ग्रामीण

अर्थव्यवस्था के लिए संजीवनी के समान होता है। अच्छी बारिश होने से धान सहित अन्य खरीफ फसलों की बुवाई को गति मिलती है, जिससे किसानों की आय सुनिश्चित होने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों, कस्बों और शहरों के बाजारों में भी आर्थिक गतिविधियां बढ़ती हैं। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में अब तक लगभग 50 से 60 प्रतिशत किसानों द्वारा बुवाई का कार्य पूरा कर लिया गया है, जबकि शेष लगभग 40 प्रतिशत किसान अब पर्याप्त नमी मिलने के बाद बुवाई कर सकेंगे। इससे फसलों के बेहतर उत्पादन की उम्मीद बढ़ गई है। मानसून की पहली अच्छी बारिश से क्षेत्र का तापमान भी कम हुआ है। कई दिनों से गर्मी और उमस से परेशान लोगों को राहत मिली है। किसानों का कहना है कि यदि आगामी दिनों में भी इसी प्रकार नियमित वर्षा होती रही तो इस वर्ष खरीफ फसल की अच्छी पैदावार होने की संभावना है, जिससे कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

संविधान के तहत चले देश

रायपुर /भारत की सुरक्षा पर चुनौतियां और समाधान पर व्याख्यान देते हुए सुप्रीम कोर्ट के ख्याति प्राप्त अधिवक्ता अश्वनी उपाध्याय ने विकास और सुरक्षा के साथ बढ़ते हुए भारत में विषमता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश भारतीय संविधान से चलेगा परन्तु देश में जिस तरह बायोग्राफी चेंज हो रही है आगामी आने वाले संकट को, चुनौतियों को रोकने के लिए कठोर कानून के प्रावधानों से रोका जा सकता है। शिक्षा, संस्कार देते हुए समाज निर्माण हो, कानून तोड़ने वालों को डर हो। ऐसे में चुनौतियों से समाधान निकाल सकता है। शहीद स्मारक भवन में 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' में व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्र म में भागीरथ राज्य निर्माण के डा. उदयभान सिंह चौहान के साथ छत्तीसगढ़ स्वाभिमान संस्थान के सैकड़ो सदस्य और प्रतिनिधि मंडल ने अश्वनी उपाध्याय सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता का पुष्प देकर स्वागत अभिनंदन कर धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया।

ग्राम परसाडीह में शाला प्रवेश उत्सव मनाया गया

भाटापारा। ब्लॉक ग्राम परसाडीह में स्थित प्राथमिक शाला में प्रवेश उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष ज़ेला वर्मा उपस्थित थे। उक्त कार्यक्रम में नवप्रवेशी छात्र छात्राओं को पुस्तक एवं अन्य सामग्री का वितरण किया गया। उपरोक्त अवसर पर गांव के सरपंच रामेश्वर लहरी, दौलत सिंह ध्रुव ,दयाशंकर सोनी, तनु ध्रुव , मधु साहू, ममता ध्रुव सहित बड़ी तादाद में ग्रामवासी उपस्थित थे।

जिला सहकारी बैंक का भवन जर्जर

निपनिया। जिला सहकारी बैंक सहकारी समिति के भवन पर विगत कई वर्षों से संचालित किया जा रहा है, परंतु आज तक जिला सहकारी बैंक अपना भवन नहीं बना पाया है। बैंक जिस भवन पर संचालित किया जा रहा है उस भवन का छत से पानी टपकता है व प्लास्टर झड़ कर गिरता है इस हालत में भी कर्मचारी जान हथेली पर ले कर कार्य करने मजबूर है यदि कभी मूसलाधार बारिश हुआ तो किसी अनहोनी से इंकार नहीं किया जा सकता। संबंधित अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों से जिला सहकारी बैंक हेतु नया भवन हेतु पहल करने का मांग किया गया है।

डॉ वंदनागोपाल शैली की किताब को कृति श्री अलंकरण

भोपाल। लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल मध्यप्रदेश के तत्वावधान में हिंदी भवन ,भोपाल के सभागार में शुक्रवार 19 जून 2026 को अखिल भारतीय लघुकथा अधिवेशन में अलंकरण समारोह एवं शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया । इस अवसर पर छत्तीसगढ़ से डॉ वंदनागोपाल "शैली" की लघुकथा संग्रह 'धूप में छिपी छाँह ' को कृति श्रीं अलंकरण प्रदान किया गया।मंच पर वरिष्ठ साहित्यकार देवेंद्र दीपक ने बहुत ही महत्वपूर्ण बात कही कि - "लघुकथा पहले विशेषण थी अब संज्ञा हो गई है यानी विद्या की दृष्टि से लघुकथा ने एक महत्वपूर्ण यात्रा तय की है ।लेखन में आज सृजन धैर्य की कमी है जैसे डाल के प्राकृतिक रूप से पके हुए फल जो स्वाद देते हैं वह कृत्रिम से रूप से पाल के पके फल स्वाद नहीं दे सकते, यही स्थिति सृजन की है। शोध केंद्र समिति की निदेशक डॉ.कांत राय, विशिष्ट अतिथि उर्दू साहित्य अकादमी संस्कृत परिषद की निदेशक डॉ.नुसरत मेहदी,साहित्य अकादमी संस्कृत परिषद के पूर्व निदेशक उमेश कुमार सिंह, सारस्वत अतिथि डॉ मिथिलेश दीक्षित,वीणा के संपादक ,डॉक्टर ध्रुव

कुमार, ज्योति जैन मंच पर शोभायमान थें। आपकी गरिमामयी उपस्थिति में छत्तीसगढ़ भाटापारा की डॉ वंदनागोपाल "शैली" की लघुकथा संग्रह 'धूप में छिपी छाँह' को 'लघुकथा श्री कृति अलंकरण ' 2026 से सम्मानित किया गया। यह सारस्वत सम्मान विभिन्न प्रांतों से आयीं चयनित कृतियों पर अतिथियों के कर कमलों द्वारा प्रदान किया गया ।ज्ञातव्य हों कि 'शैली' की एक काव्य संकलन आने की आहट एवं कहानी संकलन 'अहसास प्रेम का ' भी प्रकाशित हों चुकी है।महाविद्यालयीन काल से ही

आलेखों,कविता, कहानियों का प्रकाशन होता रहा है।पत्र- पत्रिकाओं के अलावा आकाशवाणी में भी रचनाओं का प्रसारण समय-समय पर होता रहता है। वर्तमान में डॉ शैली साहित्य लेखन के साथ-साथ अक्षरदीप संस्था की संयोजिका हैं और 'मनसंवाद' काउंसिलिंग सेंटर में परामर्शदाता की भूमिका निभा रहीं हैं।

आयोजन में अलंकरण समारोह के अलावा विशेष विचार गोष्ठी, पुस्तक लोकार्पण, शोध-पत्रों का वाचन किया गया।चार सत्रों में यह सफल आयोजन रहा जिसमें अंतिम चरण में लघुकथाकारों ने अपनी एक-एक लघुकथा का वाचन किया। कार्यक्र म का सफल संचालन डॉ घनश्याम मैथिल,डॉ ममता माली ने किया तथा डॉ.वर्षा ढोबले ने आभार व्यक्त किया। इस आयोजन में देशभर के लगभग डेढ़ सौ से अधिक लघुकथा लेखक उपस्थित थें।

शिवरतन शर्मा ने ग्राम रमदइया में सड़क निर्माण का भूमिपूजन किया

भाटापारा। विधानसभा क्षेत्र के ग्राम रमदइया में वरिष्ठ भाजपा नेता शिवरतन शर्मा ने सड़क निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया उक्त अवसर पर उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के सत्ता में बैठने के बाद से पहुंच विहिन तमाम गांवो में सड़क निर्माण के कार्य प्राथमिकता से कराये जा रहे है। भाजपा सरकार की मंशा है कि प्रत्येक गांव तक बुनियादी सुविधा पहुंचे और विकास के तमाम योजनाओं का लाभ गांव के प्रत्येक व्यक्ति को मिल सके इसके लिए संकल्प बद्ध होकर कार्य किये जा रहे है उन्होंने कहा कि जनसेवा और जनकल्याण उनकी प्राथमिकता है और उनका प्रयास है कि विधानसभा क्षेत्र का कोई भी गांव विकास से अछुता न रहे । गांव में सड़क पेयजल व्यवस्था , शिक्षा , स्वास्थ्य व सिंचाई सुविधा के लिए प्राथमिकता से कार्य क राये जा रहे है । ग्राम रमदइया में सड़क निर्माण हो जाने के बाद गांव वासियों को गंदगी व कीचड़ से मुक्ति मिलेगी और वे बारह माह सुगम रूप से यातायात के साधनों का उपयोग कर सकें गे । उनकी मंशा है कि गांव में सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हो । उपरोक्त अवसर पर प्रदीप अनंत , मथुरा यदु , लक्ष्मीनारायण शर्मा, राजेश पटेल, चेतन वर्मा सहित अन्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

भाटापारा में आवारा व पालतु मवेशी समस्या बने

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। शहर में आवारा मवेशियो के कारण सड़क यातायात बाधा लगातार होने से लोगो को आवागमन में परेशानी से जूझना पड़ रहा है। वहीं लगभग 10 हजार से अधिक पालतु मवेशी जिसमें ज़ैंस , ज़ैंसा ,ग ाय व बैल तथा सांड शामिल हैइनके लिए समुचित व निश्चित चारागाह नही बनाये जाने के कारण शहर के सभी प्रमुख मार्गो पर मवेशियों का आना जाना होने से भी यातायात बाधित हो रहा है। बताया जाता है कि नगर में 10 हजार से अधिक पालतु मवेशी है जिसमें ज्यादातर ज़ैंस है और इनके द्वारा उत्पादित लगभग 1 लाख लीटर दुध शहर के अलावा रायपुर , बिलासपुर में बिक्री के लिए जाता है वहीं लगभग आधा दर्जन लोग इन मवेशियो के दुध को अपने प्लांट में खरीदकर दुग्ध उत्पादन से जुड़े सामग्री बना रहे है लेकिन मवेशियों के लिए चारागाह का एक निश्चित स्थान नही होने से तमाम मवेशी सुबह से देर शाम तक शहर के अनेक सड़को पर झुंड में आवा जाही करते है जिसके कारण यातायात जहां बाधित हो रहा है वहीं अनेक लोग दुर्घटना के शिकार हो रहे है। टेहका रेलवे फाटक में तो बनाये गये रेलवे अंडर ब्रिज में आम आदमी से

ज्यादा जानवरों की आवाजाही होने से दुपहिया मोटर सायकल सवार सहित पैदल चलने वालो को दिक्कतो से जूझना पड़ रहा है। मवेशी पालक व चरवाहा लगभग 10 हजार मवेशियों को अलग अलग झुंड में शहर के भीतर से होते हुए कॉलेज मार्ग खोलवा रोड , सुरजपुरा रोड, खोखली रोड, टेहका रोड , सुरखी रोड , बलौदा रोड सहित जिधर मन पड़ रहा है उधर चराने के लिए ले जाते है जिसके कारण आये दिन सभी सड़को में मवेशियों का झुंड होने से यातायात जहां बाधित हो रहा है वहीं संपूर्ण सड़को पर गोबर फैले होने से लोग परेशान हो रहे है। जनहित में प्रशासन को मवेशियों के स्वच्छंद विचरण को रोकने के लिए मवेशी पालको व चरवाहा लोगो की संयुक्त बैठक प्रशासन के साथ करने की जरूरत है जिसमें यह तय किया जाये कि सभी मवेशी केवल सुरखी रोड व सुरखी खार की ओर ही आवा जाही करे शेष सड़को पर मवेशियों के प्रवेश को कड़ाई से प्रतिबंधित किये जाने की जरूरत है। ताकि लोगो को आवाजाही में बाधा उत्पन्न न हो सके।

खरीफ सीजन में कालाबाजारी पर जिला प्रशासन सख्त

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं के निर्देश पर उड़नदस्ता दल की छापामार कार्रवाई, दोषियों पर होगी कड़ी वैधानिक कार्रवाई

बेमेतरा। 04 जुलाई 2026 खरीफ सीजन 2026 के दौरान किसानों को निर्धारित मूल्य पर उच्च गुणवत्ता वाले उर्वरकों की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं के निर्देशानुसार तथा कृषि विभाग के उप संचालक श्री मोरध्वज डडसेना के मार्गदर्शन में गठित जिला स्तरीय उड़नदस्ता दल द्वारा जिलेभर में उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी एवं अवैध भंडारण के विरुद्ध लगातार औचक निरीक्षण एवं छापामार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में प्राप्त गोपनीय सूचना के आधार पर उड़नदस्ता दल ने ग्राम जानो, तहसील देवकर में अँजोर वर्मा के परिसर में औचक निरीक्षण किया।

जांच के दौरान उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए 275 बोरी यूरिया अवैध रूप से भंडारित पाया गया। मौके पर समस्त उर्वरक को विधिवत जब्त कर लिया गया है तथा संबंधित व्यक्ति को कारण बताओ नोटिस जारी किया जा रहा है। प्राप्त जवाब के परीक्षण के उपरांत

बेमेतरा में अवैध उर्वरक भंडारण पर बड़ी कार्रवाई, 275 बोरी यूरिया जब्त

नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कृषि विभाग द्वारा जब्त उर्वरकों के नमूने गुणवत्ता परीक्षण के लिए अधिकृत प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसानों को केवल मानक गुणवत्ता वाले उर्वरक ही उपलब्ध हों। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि खरीफ सीजन के दौरान उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी, अवैध भंडारण एवं निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर विक्र य करने वालों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा।

यदि कोई निजी कृषि केंद्र, विक्रेता अथवा सहकारी संस्था इस प्रकार की अनियमितता करते हुए पाई जाती है, तो उसके विरुद्ध उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कठोर वैधानिक कार्रवाई करते हुए पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी तथा प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने कहा है कि किसानों के हितों की रक्षा जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी परिस्थिति में उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी अथवा कृत्रिम अभाव उत्पन्न करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। प्रशासन द्वारा पूरे जिले में सतत निगरानी रखी जा रही है तथा शिकायत प्राप्त होते ही बिना पूर्व सूचना के तत्काल जांच एवं छापामार कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने किसानों एवं आम नागरिकों से अपील की है कि यदि कहीं भी उर्वरकों की कालाबाजारी, अवैध भंडारण, निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर बिक्री अथवा अन्य किसी प्रकार की अनियमितता की जानकारी मिले तो इसकी सूचना कृषि विभाग अथवा जिला प्रशासन को दें। शिकायतकर्ता की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी तथा प्राप्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

जन चौपाल में प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति की समीक्षा

जल संरक्षण, स्वच्छता एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की भी दी गई जानकारी

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

बेमेतरा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत बेमेतरा के निर्देशानुसार आज जनपद पंचायत नवागढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत मुरता में पंचायत भवन परिसर में जन चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत स्वीकृत अपूर्ण एवं अप्रारंभ आवासों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा हितग्राहियों से सीधे संवाद कर उन्हें शीघ्र आवास निर्माण प्रारंभ करने एवं प्रगतिरत आवासों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। जन चौपाल में अधिकारियों ने हितग्राहियों को बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य प्रत्येक पात्र परिवार को सुरक्षित एवं पक्का आवास उपलब्ध कराना है। उन्होंने हितग्राहियों से शासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का लाभ लेते हुए निर्माण कार्य में तेजी लाने तथा निर्धारित समयावधि में आवास पूर्ण करने का आग्रह किया। इस अवसर पर ग्रामीणों को जल संरक्षण के

महत्व के प्रति जागरूक करते हुए वर्षा जल संचयन (रेन वाटर हार्वेस्टिंग) तथा सोख्ता गड्ढों के निर्माण के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने कहा कि वर्षा जल का संरक्षण भविष्य की जल आवश्यकताओं की पूर्ति तथा भू-जल स्तर को बनाए रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है। ग्रामीणों से जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप

अपूर्ण एवं अप्रारंभ आवासों का निर्माण शीघ्र पूर्ण कराने के दिए निर्देश

देने का भी आह्वान किया गया। जन चौपाल में स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ ग्राम के निर्माण को लेकर भी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। ग्रामीणों से स्वच्छता संबंधी गतिविधियों में सक्रि य सहभागिता निभाने और अपने गांव को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में सहयोग करने की अपील की गई। कार्यक्रम में जनपद पंचायत नवागढ़ के अध्यक्ष, जिला समन्वयक, सहायक अभियंता, तकनीकी सहायक, ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, आवास मित्र तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कबीर की वाणी आज भी प्रासंगिक -संत रामबालकदास जी

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थानखम्हरिया । पाटेश्वरधाम के ऑनलाइन सत्संग में संत रामबालकदास जी ने संत कबीरदास के जीवन-दर्शन एवं उनकी शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कबीर की वाणी आज भी समाज के लिए उतनी ही प्रासंगिक है, जितनी उनके समय में थी। उन्होंने कहा कि संत कबीर ने अपने सरल, स्पष्ट और निर्भीक विचारों से समाज को नई दिशा प्रदान की तथा प्रेम, सत्य, मानवता और सच्ची भक्ति का संदेश दिया। संत रामबालकदास जी ने कहा कि कबीरदास ने ऊंच-नीच, जाति-पाति, अंधविश्वास, धार्मिक आडंबर और पाखंड का विरोध करते हुए मानवता को सर्वोपरि माना। उनका मानना था कि ईश्वर किसी बाहरी स्थान पर नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के हृदय में विराजमान हैं। इसलिए सच्ची भक्ति के लिए शुद्ध मन और निष्कपट भाव आवश्यक है, न कि केवल बाहरी कर्मकांड। उन्होंने कहा कि कबीरदास के अनुसार मनुष्य की पहचान उसके जन्म से नहीं, बल्कि उसके कर्मों से होती है। उन्होंने मंदिर, मस्जिद और तीर्थों की अपेक्षा आत्मचिंतन, सदाचार और ईश्वर के प्रति सच्चे समर्पण को अधिक महत्व दिया। कबीर ने प्रेम, दया, करुणा, भाईचारे और सद्भाव को जीवन का मूल आधार बताया। संत रामबालकदास जी ने

कहा कि कबीरदास ने गुरु को जीवन का सच्चा मार्गदर्शक माना। उनका मत था कि गुरु ही मनुष्य को ईश्वर तक पहुंचने का सही मार्ग दिखाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जहां से भी अच्छा ज्ञान मिले, उसे विनम्रता के साथ ग्रहण करना चाहिए तथा अंधविश्वास और भ्रम का त्याग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में भी समाज जातिवाद, धार्मिक कट्टरता, भेदभाव, हिंसा और अंधविश्वास जैसी अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे दौर में संत कबीर के विचार प्रेम, समानता, सहिष्णुता और राष्ट्रीय एकता का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि केवल बाहरी दिखावे से नहीं, बल्कि मन से किए गए भक्ति, श्रद्धा, विश्वास और सद्भाव के माध्यम से ही ईश्वर की प्राप्ति संभव है। ऑनलाइन सत्संग में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने जुड़कर संत कबीरदास के जीवन-दर्शन एवं उनकी शिक्षाओं का श्रवण कर धर्मलाभ प्राप्त किया।

क्या हम विकास और विनाश के बीच संतुलन साध पाएंगे?

वेनेजुएला की त्रासदी ने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकते हैं। वेनेजुएला में हाल में आए भीषण भूकम्प ने केवल एक देश को नहीं, बल्कि पूरी मानवता को झकझोर दिया है। मृतकों और लापता लोगों की संख्या समय के साथ बदलती रही हो, लेकिन त्रासदी की भयावहता निर्विवाद है। हजारों परिवार अपने प्रियजनों को खोने की असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। ऐसे प्रत्येक अवसर पर पूरी दुनिया संवेदना व्यक्त करती है, राहत सामग्री भेजती है, सहायता अभियान चलाती है, लेकिन एक प्रश्न बार-बार हमारे सामने खड़ा हो जाता है-क्या हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों की चर्चा और शोक के बाद सब कुछ भुलाकर पुनः उसी लापरवाह विकास-यात्रा एवं प्रकृति की घोर उपेक्षा पर निकल पड़ते हैं? प्राकृतिक आपदाएं कभी कैलेंडर देखकर नहीं आतीं। वे न देश चुनती हैं, न मौसम और न समय। जब धरती कांपती है, नदियां उफान पर आती हैं, पहाड़ दरकते हैं या समुद्र विकराल रूप धारण कर लेता है, तब विकास के बड़े-बड़े दावे, ऊंची-ऊंची इमारतें और तकनीकी उपलब्धियों का अहंकार कुछ ही क्षणों में धराशायी हो जाता है। ऐसे समय में किसी देश की वास्तविक शक्ति उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं, बल्कि उसकी पूर्व तैयारी, संवेदनशील शासन व्यवस्था और जागरूक नागरिक होते हैं।

वेनेजुएला की त्रासदी ने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकते हैं। विज्ञान इस दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे प्रारंभिक चेतावनी तंत्र अधिक सटीक, अधिक तेज और अधिक व्यापक बनाए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोगों का जीवन सुरक्षित रह सके। भारत के लिए यह विषय केवल एक अंतरराष्ट्रीय समाचार नहीं है। हमारा देश स्वयं भूकम्प, बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने, चक्र वात और सुनामी जैसी अनेक प्राकृतिक आपदाओं का दंश झेलता रहा है। 1993 का लातूर भूकम्प, 2001 का भुज भूकम्प, 2004 की सुनामी, 2013 की केदारनाथ त्रासदी, 2023 की जोशीमठ भू-धंसाव की घटनाएं तथा हिमालयी क्षेत्रों में लगातार बढ़ती बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आज भी हमारी स्मृतियों में जीवित हैं। इन सभी घटनाओं का एक ही संदेश है-प्रकृति को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता। वैज्ञानिक आज भी यह निश्चित रूप से नहीं बता सकते कि किस दिन, किस समय और किस स्थान पर भूकम्प आएगा, लेकिन वे वर्षों से यह चेतावनी अवश्य देते रहे हैं कि भारत का लगभग साठ प्रतिशत भूभाग किसी न किसी स्तर के भूकम्पीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। हिमालयी क्षेत्र, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर-पूर्व, गुजरात और अनेक अन्य क्षेत्र विशेष रूप से संवेदनशील माने जाते हैं। इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि भूकम्प की सटीक भविष्यवाणी संभव नहीं है, तो भी पूर्व तैयारी पूरी तरह संभव है। दुर्भाग्य यह है कि हम तैयारी की अपेक्षा आपदा के बाद राहत और पुनर्वास पर अधिक ध्यान देते हैं। आज देश के लगभग हर शहर में कंक्रीट के विशाल जंगल तेजी से खड़े हो रहे हैं। बहुमंजिला आवासीय परिसर, व्यावसायिक भवन, गगनचुंबी टावर और स्मार्ट सिटी विकास की नई पहचान बन चुके हैं। मुंबई, गुरुग्राम, नोएडा, दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद और अब जयपुर जैसे शहर भी ऊंची-ऊंची इमारतों की दौड़ में शामिल हो चुके हैं। लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या इन भवनों की मजबूती केवल सामान्य परिस्थितियों के लिए है या किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा का सामना करने के लिए भी?

किसी भी भवन की वास्तविक परीक्षा तब होती है जब धरती कांपती है, जब अचानक बाढ़ आती है, जब तेज हवाएं चलती हैं या जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है। यदि उस समय भवन लोगों की जान बचा सके, तभी उसे वास्तविक विकास का प्रतीक माना जाना चाहिए। केवल ऊंचाई, चमक-दमक और आधुनिक सुविधाएं किसी भवन को सुरक्षित नहीं बनातीं। भारत में भूकम्परोधी निर्माण के लिए मानक और नियम मौजूद हैं। भारतीय मानक ब्यूरो ने स्पष्ट दिशानिर्देश निर्धारित किए हैं। समस्या नियमों की कमी नहीं, बल्कि उनके अनुपालन की है। क्या प्रत्येक बहुमंजिला इमारत वास्तव में उन्हीं मानकों के अनुरूप निर्मित हो रही है? क्या निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच होती है? क्या निर्माण के बाद संरचनात्मक सुरक्षा का स्वतंत्र परीक्षण किया जाता है? यदि इन प्रश्नों का उत्तर पूरी तरह संतोषजनक नहीं है, तो चिंता स्वाभाविक है। निर्माण क्षेत्र में बढ़ती अनियमितताओं और भ्रष्टाचार ने स्थिति को और गंभीर बनाया है। अनेक बार भू-माफिया, बिल्डर लॉबी और लाभ-लोलुप तत्व पर्यावरणीय नियमों की अवहेलना करते हुए हरित क्षेत्रों, जलाशयों, नदी तटों और भू-संवेदनशील क्षेत्रों तक में निर्माण कर देते हैं। बाद में यही निर्माण किसी त्रासदी का कारण बनते हैं। नोएडा में अवैध रूप से निर्मित सुपरटेक ट्विन टावरों को सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर ध्वस्त किया जाना इस बात का प्रतीक है कि किस प्रकार नियमों की अनदेखी कर निर्माण कार्य किए जाते रहे हैं।

अतिथि संपादक - ललित गर्ग

तीजन बाई साधारण परिस्थितियों से निकलकर असाधारण ऊंचाइयों की कथा है

तंबूरा मौन हुआ, पर कथा अमर रहेगी

छत्तीसगढ़ की माटी ने अनेक कलाकारों को जन्म दिया, जिन्होंने अपनी साधना से लोकजीवन की स्मृतियों को पीढ़ी दर पीढ़ी जीवित रखा। इन्हीं में एक नाम ऐसा है, जो धीरे धीरे पंडवानी का पर्याय बन गया। वह नाम था तीजन बाई। तीजन बाई का नाम मैंने पहली बार 1985 के पेरिस में हुए 'फेस्टिवल ऑफ इंडिया' में टीवी प्रसारण में देखा और सुना था। उन्होंने इस महोत्सव में अपनी अद्भुत प्रस्तुति दी थी। यहीं से उनकी कला और पंडवानी को पहली बार अंतरराष्ट्रीय मंच और वैश्विक पहचान मिली।

सुबह उठते ही उनके निधन का समाचार मिला तो उनका पंडवानी गायन मेरी आंखों के सामने चलचित्र सा तैर गया। उनका निधन केवल एक लोक कलाकार गोलोकधाम जाना नहीं है, बल्कि भारतीय लोक संस्कृति के उस विराट अध्याय का अवसान है, जिसमें संघर्ष भी था, स्वाभिमान भी, परंपरा भी और अपनी कला को दुनिया के सामने स्थापित करने का अदम्य साहस भी। तीजन बाई की जीवन यात्रा साधारण परिस्थितियों से निकलकर असाधारण ऊंचाइयों तक पहुंचने की कथा है। उन्होंने तेरह वर्ष की आयु में मंचीय प्रस्तुति आरंभ की और उस समय प्रचलित सीमाओं को चुनौती देते हुए पंडवानी की कापालिक शैली को अपनाया। वे खड़े होकर, पूरे शरीर की अभिनय क्षमता और बुलंद स्वर के साथ महाभारत की कथा प्रस्तुत करती थीं। यह उस दौर में एक महिला कलाकार के लिए असाधारण कदम था। तीजन बाई को सुनना केवल गायन सुनना नहीं था। वह एक ऐसा अनुभव था जिसमें श्रोता धीरे धीरे महाभारत के कथा संसार में प्रवेश करता चला जाता था। उनके हाथ में तंबूरा रहता था, लेकिन प्रस्तुति के दौरान वही तंबूरा कभी भीम की गदा बन जाता, कभी अर्जुन का गांडीव, कभी दुशासन के अहंकार को चुनौती देता प्रतीक और कभी किसी असहाय पात्र की वेदना का सहारा बन जाता।

यही तीजन बाई की कला की सबसे बड़ी विशेषता थी। मंच पर उनके साथ बहुत अधिक साधन नहीं होते थे। भव्य दृश्य संयोजन नहीं था, महंगे उपकरण नहीं थे, पात्रों की बड़ी टोली भी नहीं थी। एक कलाकार, एक तंबूरा, कुछ संगतकार और महाभारत की विराट कथा। इतने भर से वे पूरा संसार रच देती थीं।

उनकी आंखों की चमक, चेहरे के बदलते भाव, हाथों की गति, स्वर का आरोह अवरोह और संवाद की नाटकीयता मिलकर ऐसा प्रभाव उत्पन्न करते थे कि श्रोता भूल जाता था कि उसके सामने केवल एक कलाकार कथा सुना रही है। कभी लगता था कि भीम स्वयं युद्धभूमि में खड़े हैं, कभी द्रौपदी का अपमान आंखों के सामने घटित होता दिखाई देता था और कभी कुरुक्षेत्र का पूरा तनाव मंच पर उतर आता था।

पंडवानी छत्तीसगढ़ के लोकमानस में पीढ़ियों से प्रवाहित होती रही है। महाभारत की कथा जब लोक में उतरती है तो वह केवल राजवंशों के संघर्ष की कथा नहीं रहती। उसमें गांव का जीवन प्रवेश कर जाता है। उसमें किसान की पीड़ा, स्त्री की वेदना, अन्याय के विरुद्ध आक्रोश और सामान्य मनुष्य की आशाएं शामिल हो जाती हैं। तीजन बाई ने इसी लोक महाभारत को अपना स्वर दिया।

उनकी प्रस्तुति में भीम केवल महाभारत का पात्र नहीं था। वह अन्याय के विरुद्ध खड़े होने वाली शक्ति का प्रतीक था। द्रौपदी केवल एक पौराणिक पात्र नहीं थी, बल्कि अपमान और अन्याय का सामना करती स्त्री की आवाज थी। कृष्ण केवल देवता नहीं थे, बल्कि संकट में रास्ता खोजने वाली लोकबुद्धि के प्रतिनिधि बन जाते थे।

यही कारण था कि तीजन बाई की पंडवानी भाषा की सीमाओं को पार कर गई। जिन देशों के दर्शक छत्तीसगढ़ी या हिंदी नहीं जानते थे, वे भी उनके चेहरे, स्वर, अभिनय और भाव भंगिमाओं के माध्यम से कथा के भीतर प्रवेश कर जाते थे। उनकी कला ने पंडवानी और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचाया।

तीजन बाई का जीवन भारतीय लोक कलाकारों के संघर्ष की कहानी भी कहता है। लोक कलाकारों की दुनिया में प्रसिद्धि का रास्ता आसान नहीं होता। वहां संसाधन कम होते हैं और संघर्ष अधिक। कलाकार को अपनी कला के साथ जीवन की कठिन परिस्थितियों से भी लड़ना पड़ता है। तीजन बाई ने इन संघर्षों के बीच अपनी कला साधना को कभी कमजोर नहीं होने दिया। उन्हें पद्मश्री, पद्म भूषण और पद्म विभूषण जैसे उच्च नागरिक सम्मानों से सम्मानित किया गया। संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार सहित अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों ने उनकी कला साधना को मान्यता दी। लेकिन इन सम्मानों का वास्तविक महत्व इस बात में है कि इनके माध्यम से भारतीय लोककला और छत्तीसगढ़ की पंडवानी परंपरा को राष्ट्रीय स्तर पर वह प्रतिष्ठा मिली जिसकी वह अधिकारी थी।

तीजन बाई का व्यक्तित्व यह भी बताता है कि किसी कलाकार की महानता उसकी प्रसिद्धि से नहीं, बल्कि अपनी जड़ों से जुड़े रहने की क्षमता से तय होती है। दुनिया के बड़े मंचों पर सम्मान पाने के बाद भी उनके भीतर छत्तीसगढ़ की माटी की सहजता बनी रही। उनके स्वर में गांव की चौपाल थी, खेतों की सुगंध थी, लोकभाषा की मिठास थी और संघर्ष से उपजा आत्मविश्वास था।

छत्तीसगढ़ की माटी की उस बेटी ने दुनिया को बताया कि लोक की आवाज कमजोर नहीं होती। उसे केवल एक सच्चे साधक की आवश्यकता होती है। तीजन बाई ने उस आवाज को अपना कंठ दिया और पंडवानी को ऐसी ऊंचाई पर पहुंचाया जहां से उनका नाम कभी विस्मृत नहीं होगा। तीजन बाई चली गईं, लेकिन उनकी हुंकार अभी बाकी है। वह तंबूरे की टंकार में, महाभारत की कथा में, छत्तीसगढ़ की मिट्टी में और लोककला की स्मृतियों में सदैव सुनाई देती रहेगी।

विनम्र श्रद्धांजलि।

आचार्य ललित मुनि
लेखक वरिष्ठ
पत्रकार एवं लोक संस्कृति के अध्येता हैं

यमुना जल समझौता : सफल होते भागीरथी प्रयास

गंगानदी पर करीब एक हजार बांध हैं तो गोदावरी पर 350 के आसपास बांध है। इन बांधों पर पानी को सहेजते हुए नदियों के पानी को अनुपयोगी व बर्बादी का कारण बनने से बचाने के स्थान पर क्षेत्रों में पानी की समस्या का समाधान किया जाता है। जहां तक पार्वती, कालीसिंध, चंबल ईस्टर्न राजस्थान केनाल परियोजना का प्रश्न है

राजस्थान में कहावत है कि जल थोड़ो नेह घणो तो दूसरी और घी मांग्या मे पण पाणी मांग्या नहीं मे। यानी राजस्थान में पानी भले ही कम हो पर नेह अर्थात स्नेह खूब है तो दूसरी और राजस्थान में घी आसानी से मिल जाता है पर पानी बहुत कम मिल पाता है। यह आज के नहीं सदियों से चले आ रहे हालात है। मृग मरिचिका की तरह पानी की तलाश में लंबी दूरिया तय करनी पड़ती थी पर आज हालात तेजी से बदल रहे हैं। पानी को लेकर समग्र प्रयास किये जा रहे है। राजस्थान नहर ने जहां पश्चिमी राजस्थान की तकदीर ही बदल दी है वहीं नदियों को जोड़ने या अतरिक्त पानी को संजोने के समग्र प्रयास किये जा रहे हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री का पद संभालते ही पानी को लेकर भागीरथी प्रयास शुरु किये और उन प्रयासों ने रंग लाना शुरु कर दिया है। यमुना जल समझौते के साथ ही राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के राजस्थानवासियों के लिए पानी की समस्या के समाधान के लिए किये जा रहे भागीरथी प्रयासों की कड़ी में एक और मनका जुड़ गया है। देश के लिए यह कोई नई बात नहीं है कि राजस्थान पानी की कमी से जूझता प्रदेश है। यहां पर पेयजल सहित पानी की निर्भरता बरसाती पानी को लेकर ही रही है। अत्यधिक दोहन के चलते जहां पानी उपलब्ध भी है तो वहां पर जलस्तर तेजी से नीचे जाता जा रहा है ऐसे में पानी को लेकर समग्र, समन्वित और योजनाबद्ध प्रयास किया जाना जरुरी हो जाता है। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में राजस्थान और हरियाणा के बीच यमुना जल समझौते पर मेमोरण्डम ऑफ एग्रीमेंट एमओए के हस्तांतरण के साथ ही राजस्थान में यमुना जल के 32 साल पुराने सपने के साकार होने की राह प्रशस्त हो गई है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयासों का ही परिणाम है कि राजस्थान और हरियाणा के बीच ऐतिहासिक समझौता संपन्न हुआ है। राजस्थान और हरियाणा सरकार के बीच समझौते से खासतौर से शेखावटी के तीन जिले चुरु, झुन्झुनू और सीकर तक यमुना का जल पहुंच सकेगा। इससे इन जिलों की पेयजल और सिंचाई की समस्या का समाधान संभव हो सकेगा।

दरअसल 12 मई, 1994 को उपरी यमुना जल बेसिन समझौता हुआ और इसके अनुसार राजस्थान को 10.4 प्रतिशत पानी मिलना था। पर 32 साल बीत जाने के बाद भी यह समझौता धरातल पर उतरने की स्थिति में नहीं आ सका। 29 जून, 2026 को नई दिल्ली के कर्तव्य भवन में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में केन्द्रीय जल संसाधन मंत्री सीआर पाटिल, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति पर ऐतिहासिक समझौते का परस्पर हस्तांतरण होना अपने आपमें महत्वपूर्ण हो जाता है। लंबे समय से राजनीतिक आरोप प्रत्यारोपों के बीच राजस्थान में भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में नई सरकार के गठन के साथ ही राजस्थान में पानी की समस्या को दूर करने के लिए भागीरथी प्रयास शुरु कर दिए गए। उसी का परिणाम है कि पहले पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना ईआरसीपी पर बात बनी और उसके बाद रामजल सेतु लिंक प्रोजेक्ट धरातल पर आना शुरु हुआ।

अब यमुना जल समझौते के साथ ही भजनलाल शर्मा के सही मायने में मरुधरा में पानी लाने के भागीरथी प्रयास आकार लेने लगे हैं। भजनलाल शर्मा की पानी को लेकर गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि पिछले दिनों गंगा दशहरे से विश्व पर्यावरण दिवस तक वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान समूचे प्रदेश में संचालित किया गया। देखा जाए तो यह दूरदर्शी निर्णय और प्रयास जल संकट से निजात और बर्बाद होते पानी के सदुपयोग की दिशा में बढ़ता कदम माना जाना चाहिए। दरअसल नदियों के बरबाद होते पानी का सही उपयोग तय करने के लिए 1999 में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना आरंभ की थी।

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा ।

जब सुकून भी बिकने लगे

सभ्यताएँ केवल अपने आविष्कारों से महान नहीं बनतीं, अपितु वे अपनी प्राथमिकताओं से इतिहास में याद रखी जाती हैं। हमारी सभ्यता ने अंतरिक्ष तक पहुँचने की क्षमता विकसित कर ली, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का निर्माण कर लिया, सूचनाओं को प्रकाश की गति से भी तेज़ गति से दुनिया के एक कोने से दूसरे कोने तक पहुँचा दिया,लेकिन इसी सभ्यता का मनुष्य आज रात भर चैन की नींद सोने के लिए संघर्ष कर रहा है। उसके पास सुविधा है, साधन हैं, संसाधन हैं, पर सुकून नहीं है। और शायद हमारे समय की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि अब सुकून भी एक उत्पाद बन चुका है।

अच्छी नींद के लिए स्लीप क्लिनिक हैं, तनाव से मुक्ति के लिए माइंडफुलनेस प्रोग्राम हैं, जंगल में समय बिताने के लिए फॉरेस्ट बाथिंग है, तारों को निहारने के लिए स्टार बाथिंग है और मोबाइल से दूर रहने के लिए डिजिटल डिटॉक्स रिट्रीट। इनमें से किसी उपाय पर आपत्ति नहीं हो सकती, क्योंकि इनके लाभ वैज्ञानिक रूप से सिद्ध हैं। प्रश्न केवल इतना है कि जिन अनुभवों पर कभी किसी का स्वामित्व नहीं था, वे आज पैकेज और प्रीमियम सेवाओं में क्यों बदल गए? क्या हमने जीवन इतना कृत्रिम बना लिया है कि अब अपनी सबसे स्वाभाविक ज़रूरतों तक पहुँचने के लिए भी बाज़ार की मध्यस्थता आवश्यक हो गई है? दरअसल हाल ही में तीन समाचार लगभग एक साथ चर्चा में रहे।

मुख्यमंत्री साय सरल, सादगी और संवेदनशीलता के साथ विकास यात्रा का सशक्त नेतृत्व

तेजबहादुर सिंह भुवाल
सहा. जनसंपर्क अधिकारी

किसान परिवार से निकलकर छत्तीसगढ़ प्रदेश के सर्वोच्च नेतृत्व तक पहुंचने वाले मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अपने सरल व्यक्तित्व, विनम्र व्यवहार और जनसेवा की भावना से जनता के बीच एक अलग पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री श्री साय का सार्वजनिक जीवन सादगी, जनसेवा और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाने के संकल्प का प्रतीक माना जाता है। लंबे समय तक जनप्रतिनिधि के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों, किसानों, वनवासियों, युवाओं, महिलाओं और वंचित वर्गों की समस्याओं को निकट से समझा और उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। सत्ता के शीर्ष पद पर होने के बावजूद उनकी सादगी और सहजता आज भी उनकी सबसे बड़ी ताकत है।

मुख्यमंत्री श्री साय आम जनता से सीधे संवाद को लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति मानते हैं। जनदर्शन, सुशासन तिहार और विभिन्न जनसंपर्क कार्यक्र मों के माध्यम से वे स्वयं लोगों की समस्याएं सुनते हैं और उनके समाधान के लिए त्वरित पहल करते हैं। बुजुर्गों के प्रति सम्मान, बच्चों के प्रति स्नेह तथा जरूरतमंदों की सहायता के लिए तत्परता उनके व्यक्तित्व की विशेष पहचान है। आदिवासी समाज से आने वाले मुख्यमंत्री श्री साय अपनी संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों से गहराई से जुड़े हुए हैं। गांवों में बैठकर लोगों से चर्चा करना, उनकी समस्याओं को समझना और विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है।

पिछले ढाई वर्षों में छत्तीसगढ़ सरकार ने जनकल्याण, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, अधोसंरचना, निवेश और सुशासन के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। सरकार का लक्ष्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना रहा है।

राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना के माध्यम से लाखों महिलाओं को 1000 रुपए प्रतिमाह आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इस वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने 8,200 करोड़ रूपये का बजट महतारी वंदन योजना के लिए आवंटित किया है। महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ में महिलाओं के स्वावलंबन, स्वास्थ्य और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है, जो लाखों महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार ला रही है। छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था की रीढ़ किसान हैं। राज्य सरकार ने धान खरीदी को प्राथमिकता देते हुए किसानों से 3100 रूपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी सुनिश्चित की तथा लाखों किसानों को आर्थिक लाभ पहुंचाया।

प्रदेश में गरीब और जरूरतमंद परिवारों को पक्का घर उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार ने बड़ी पहल करते हुए लाखों आवासों को स्वीकृति प्रदान की। इससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आवासीय सुविधाओं का विस्तार हुआ है। प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रि यान्वयन में छत्तीसगढ़ ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। तेज गति से चल रहे निर्माण कार्यों के चलते प्रदेश में लाखों जरूरतमंद परिवारों का पक्के घर का सपना साकार हो रहा है।

बस्तर के जंगलों में उत्पादित होने वाले तेंदूपत्ता, आदिवासी समाज की जिंदगी का अहम हिस्सा है। इसी तेंदूपत्ता के सहारे हजारों गांवों में गर्मियों के महीनों में रोज़गार मिलता है। इस काम में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल होती हैं, जिससे परिवार की कुल आय में संतुलन बनता है। यही वजह है कि तेंदूपत्ता संग्रहण को सरकार ग्रामीण रोजगार का मजबूत जरिया मानती है। राज्य सरकार ने तेन्दूपत्ता संग्राहकों को बड़ी रहत देते हुए तेंदूपत्ता संग्रहण दर में अहम बदलाव किया है। पूर्व में मिलने वाली राशि को 4,000 रुपये से बढ़ाकर 5,500 रुपये किया है। यह बढ़ोतरी सीधे-सीधे संग्राहकों लाभ पहुंचा रही है। जानकारों के अनुसार पहले बढ़ती महंगाई के मुकाबले संग्रहण की दर कम पड़ रही थी, लेकिन नई दर से मजदूरी और मेहनत का बेहतर मूल्य मिल सकेगा।

> ***निरीक्षणों के दौरान लापरवाही, अनियमितता और भ्रष्टाचार के मामलों में तत्काल कार्रवाई, जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई तथा आवश्यक सुधार के निर्देश दिए जा रहे हैं। इससे प्रशासनिक तंत्र में अनुशासन बढ़ा है और अधिकारियों की जवाबदेही पहले की तुलना में अधिक मजबूत हुई है***

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार सुरक्षा के साथ-साथ संवेदनशील पुनर्वास और विकास पर भी समान रूप से कार्य कर रही है। नक्सली सरेंडर, विक्टिम रिलीफ एंड रिहैबिलिटेशन पॉलिसी-2025 के तहत आत्मसमर्पित नक्सलियों को वित्तीय सहायता, कौशल विकास प्रशिक्षण, रोजगार के अवसर तथा आवास जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराकर उन्हें सम्मानजनक और मुख्यधारा से जुड़ा जीवन प्रदान किया जा रहा है।

एक नवंबर 2024 से लागू छत्तीसगढ़ सरकार की नई औद्योगिक नीति 2024-30 राज्य को निवेश और उद्योगों के लिए नई पहचान दे रही है। न्यूनतम शासन, अधिकतम प्रोत्साहन के सिद्धांत पर आधारित यह नीति उद्योग स्थापना की प्रक्रि या को अधिक सरल, पारदर्शी और निवेशक-अनुकूल बनाती है।

व्यवसाय शुरू करने की प्रक्रि या को आसान बनाने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम 2.0, पूरी तरह ऑनलाइन आवेदन, समयबद्ध स्वीकृति और त्वरित प्रोसेसिंग जैसी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। इससे उद्यमियों को कम समय में आवश्यक अनुमतियाँ प्राप्त हो रही हैं और कारोबार करने में सुगमता बढ़ी है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में मजबूत और आधुनिक परिवहन नेटवर्क के निर्माण पर विशेष जोर दिया गया है। राज्य में रेल, सड़क और हवाई संपर्क का तेजी से विस्तार हो रहा है, जिससे उद्योग, व्यापार, पर्यटन और आम नागरिकों की आवाजाही पहले से अधिक सुगम हुई है। छत्तीसगढ़ सरकार राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों का निरंतर उन्नयन, नई सड़कों और पुलों का निर्माण तथा दूरस्थ क्षेत्रों को मुख्य मार्गों से जोड़ने के प्रयासों ने प्रदेश की कनेक्टिविटी को नई गति दी है। इससे माल परिवहन की लागत और समय में कमी आई है, जिससे उद्योगों और निवेशकों को सीधा लाभ मिल रहा है।

राज्य शासन की पहल से रेल नेटवर्क के विस्तार और नई रेल परियोजनाओं के माध्यम से औद्योगिक क्षेत्रों, खनिज संपदा वाले इलाकों और प्रमुख शहरों को बेहतर रेल संपर्क उपलब्ध कराया जा रहा है। वहीं, हवाई सेवाओं के विस्तार, नए एयर रूट और बेहतर विमानन सुविधाओं से राज्य की राष्ट्रीय स्तर पर पहुंच और भी मजबूत हुई है। बेहतर परिवहन अवसंरचना के कारण छत्तीसगढ़ आज निवेश, व्यापार और पर्यटन के लिए अधिक आकर्षक बन रहा है। यह मजबूत कनेक्टिविटी राज्य के समग्र आर्थिक विकास को नई दिशा देने के साथ-साथ रोजगार और क्षेत्रीय विकास के नए अवसर भी सृजित कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध कठोर रुख अपनाते हुए प्रशासनिक जवाबदेही को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

भाटापारा में जनसुविधाओं को मिली नई सौगात, 10 लाख से बनेगा आधुनिक मुक्ति धाम शेड

नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने किया भूमिपूजन; कहा– "अंतिम विदाई के क्षणों में भी नागरिकों को मिले सम्मानजनक सुविधा, यही हमारी प्रतिबद्धता"

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। नगर पालिका परिषद भाटापारा ने नागरिक सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल करते हुए नगर के शहीद वीर नारायण सिंह वार्ड एवं श्री लाल बहादुर शास्त्री वार्ड स्थित मुक्ति धाम में लगभग ?10 लाख की लागत से बनने वाले मुक्ति धाम शेड निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन एवं शुभारंभ किया। नगर पालिका अध्यक्ष श्री अश्वनी शर्मा ने जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों की उपस्थिति में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन कर निर्माण कार्य की आधारशिला रखी।

लंबे समय से क्षेत्रवासियों द्वारा मुक्ति धाम में शेड निर्माण की मांग की जा रही थी। अंतिम संस्कार के दौरान तेज धूप, वर्षा एवं प्रतिकूल मौसम में लोगों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता था। अब इस निर्माण कार्य के पूर्ण होने के बाद नागरिकों को अंतिम संस्कार जैसे अत्यंत संवेदनशील अवसरों पर सुरक्षित, व्यवस्थित एवं सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध हो सकेगा।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा, "विकास का वास्तविक अर्थ केवल सड़क, नाली और भवन निर्माण नहीं है, बल्कि समाज की प्रत्येक आवश्यक सुविधा को संवेदनशीलता के साथ उपलब्ध कराना भी है। मुक्ति धाम ऐसा स्थान है जहाँ हर परिवार कभी न कभी पहुँचता है। ऐसे समय में लोगों को असुविधा नहीं, बल्कि सम्मान और सुविधा मिले, यही हमारी प्राथमिकता है। नगर पालिका जनभावनाओं के अनुरूप प्रत्येक वार्ड में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार कर रही है और विकास की यह यात्रा निरंतर जारी रहेगी।" उन्होंने आगे कहा कि "हमारा प्रयास है कि भाटापारा नगर का प्रत्येक वार्ड मूलभूत सुविधाओं से सुसज्जित हो। जनहित के प्रत्येक कार्य को गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ पूरा करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आने वाले समय में भी नागरिकों की आवश्यकताओं के अनुरूप अनेक विकास कार्यों को गति दी जाएगी।"

कार्यक्रम के दौरान वार्ड पार्षद श्री लक्ष्मीकांत टंडन के जन्मदिवस के अवसर पर आत्मीय माहौल में केक काटकर उनका जन्मदिन भी मनाया गया। नगर पालिका अध्यक्ष श्री अश्वनी शर्मा सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने उन्हें शुभकामनाएँ देते हुए स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

भूमिपूजन समारोह में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष डॉ.मोहन बांधे पिछड़ा वर्ग प्रदेश मंत्री आशीष जायसवाल सभापति गोविंद पटेल, सतीश तलरेजा ,कुंज राम कोशले , सभापति प्रतिनिधि देवेंद्र साहू ,दशरथ साहू पार्षद नंदकिशोर वैष्णव , लक्ष्मी कांत बंटी टंडन,प्रगतिशील सतनामी समाज के युवा शाखा अध्यक्ष माखन महिलाएंगे भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ताअशोक साहू, मनीराम साहू, उत्तम साहू,शिव साहू,पुरुषोत्तम यदु मोहित ध्रुव, चंद्रकला साय, श्रवण साहू, खिलावन साहू, आनंद साहू, बिल्ला यादव, वार्ड के कार्यकर्ता साधराम ध्रुव, कुमार साहू, हरीश साहू, प्रदीप बंजारे, पुरुषोत्तम महिलांग, मनोज बंजारे ,नरेंद्र बंजारे जितेंद्र, अमोल दास, चुम्मन, ध्रुव, बल्लू माण्डले, गौरीशंकर, खिलावन,जयंत, विनय, उत्तम, कुलेश्वर, राज, देवा, नैतिक, सूर्यांश, वार्ड वासी व बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। कार्य₹ म में विकास कार्यों के प्रति नागरिकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए नगर पालिका परिषद के जनहितकारी प्रयासों की सराहना की।

संक्षिप्त समाचार

हटरी बाजार अंडर ब्रिज को यातायात के लिए शीघ्र प्रारंभ करने की मांग

भाटापारा। अब जबकि बरसात का मौसम सिर पर आ गया है अभी तक हटरी बाजार मछली बाजार के सामने से अन्य वार्डो की ओर जाने के लिए रेलवे अंडर ब्रिज अब तक प्रारंभ नही हो सका है जबकि एक वर्ष पूर्व से हटरी बाजार व सब्जी बाजार के व्यापारी बंद पड़े रेलवे अंडर ब्रिज को प्रारंभ करने तथा उसे सुगम यातायात वाला मार्ग बनाने एवं हटरी बाजार सब्जी बाजार के व्यापारियों के लिए वहां पर नयें सार्वजनिक सुलभ शौचालय बनाने की मांग करते रहे है लेकिन एक लंबी अवधि बीत जाने के बावजूद न तो सार्वजनिक सुलभ शौचालय का निर्माण हो पाया और न ही बंद पड़े रेलवे अंडर ब्रिज को सुगम यातायात के लिए प्रारंभ किया जा सका जिसके कारण हटरी बाजार सब्जी बाजार के व्यापारी नाराज है इस मार्ग से बजरंग वार्ड , राम सागर वार्ड , मुंशी स्माई वार्ड , शहीद वीर नारायण सिंह वार्ड , पटपर लाल बहादुर शास्त्री वार्ड सहित लगभग एक दर्जन से अधिक गांव के लोग सीधे तौरपर अंडर ब्रिज के रास्ते हटरी बाजार व सब्जी बाजार आसानी से पहुंचकर किराना सामान व हरी भरी सब्जी ले सकते थे। जिसके कारण हटरी बाजार सब्जी बाजार का व्यापार भी आगे बढता लेकिन रेलवे अंडर ब्रिज को यातायात के लिए प्रारंभ नही किये जाने के कारण यातायात अब तक अवरूद्ध है जिसके चलते हटरी बाजार सब्जी बाजार भी व्यापारिक रूप से ठंडा बैठ गया है।

शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भाटापारा में सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह आयोजित

ब्यूरो चीफ संतोष साहू

भाटापारा। शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भाटापारा में विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक श्री देवलाल बाघमार के सेवानिवृत्त होने के अवसर पर गरिमामय सम्मान एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य डॉ. अर्चना वर्मा, श्री बाघमार के परिवार के सदस्य, उनके मित्र, विद्यालय के सभी शिक्षक एवं कर्मचारी तथा अन्य आमंत्रित अतिथि उपस्थित रहे। समारोह में वक्ताओं ने श्री बाघमार की दीर्घकालीन, समर्पित एवं अनुकरणीय शिक्षकीय सेवाओं की सराहना करते हुए उनके योगदान को स्मरण किया। विद्यालय परिवार की ओर से उन्हें शॉल, श्रीफल एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया तथा उनके स्वस्थ, सुखमय एवं सक्रिय सेवानिवृत्त जीवन की शुभकामनाएँ दी गईं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने श्री बाघमार के साथ बिताए गए प्रेरणादायी क्षणों को साझा किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह का समापन आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।

समितियों में ध्वजारोहण कर किया गया सहकारिता सप्ताह का शुभारंभ

भाटापारा। सहकारिता मंत्रालय गठन के 5 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सहकारी सप्ताह के 29 जून से 6 जुलाई 2026 तक सहकारिता सप्ताह मनाया जा रहा है। भाटापारा के 14 सहकारी समितियो एवं सहकारी बैंक शाखाओ में सहकारी ध्वजारोहण कर सहकारिता सप्ताह का शुभारम्भ किया गया। सहकारी सप्ताह में जिला स्तर पर अनेक सहकारी गतिविधियां तथा सहकारी चिंतन एवं सहकारी मेला का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत ध्वाजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस संदर्भ में कॉपरेटिव बैंक के मैनेजर एम सुनील ने बताया कि 02 जुलाई को भाटापारा क्षेत्र में वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित है। कृषक संगोष्ठी, वृक्षारोपण, स्वास्थ्य शिविर सहित विविध आयोजन किये जायेंगे।

तीन आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया, पुलिस ने हथियार व कपड़े किए जब्त

प्रेम प्रसंग सहित सभी पहलुओं की जांच के बाद तीनों आरोपियों की गिरफ्तारी

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थानखम्हरिया । थाना खम्हरिया पुलिस ने ग्राम कोपेडबरी में युवक पर हुए जानलेवा हमले के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त धारदार चाकू एवं घटना के समय पहने गए कपड़े भी जब्त किए हैं।

पुलिस के अनुसार, प्रार्थी मालिक राम साहू (41) की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 124/2026 दर्ज किया गया था। शिकायत में बताया गया कि 2 जुलाई की रात करीब 1:20 बजे उसके छोटे भाई मनोहर साहू पर घर में घुसकर अज्ञात व्यक्तियों ने हॉकी स्टिक से सिर पर प्राणघातक हमला किया। गंभीर रूप से घायल मनोहर साहू को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

मामले की जांच के दौरान पुलिस एवं सीन ऑफ क्राइम यूनिट ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। घटनास्थल से हॉकी स्टिक, खून लगी मिट्टी तथा अन्य साक्ष्य जब्त किए गए। पूछताछ एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदेहियों से पूछताछ की गई, जिसमें योगेंद्र चौहान उर्फ बादल, कन्हैया लाल यादव तथा रानी साहू ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। पुलिस ने आरोपियों के मेमोरेंडम के आधार पर ग्राम कोसमंदा से एक धारदार चाकू तथा घटना के समय पहने गए कपड़े बरामद कर जब्त किए। इसके बाद तीनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

गांधी मंदिर वार्ड स्थित एक रिहायशी मकान में जुआ खेलने वाले 6 आरोपियों को रंगे हाथों किया गया गिरफ्तार

भाटापारा। अवैध कारोबार में संलिप्त लोगो के खिलाफ जिला पुलिस अधीक्षक ओ.पी. शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में नगर में जुआ, सट्टा और अवैध कारोबारियों के खिलाफ व्यापक अज़ियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शहर पुलिस को मुखबिर तंत्र के माध्यम से एक बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस टीम ने जाल बिछाकर गांधी मंदिर वार्ड स्थित एक रिहायशी मकान में चल रहे जुआ फड़ पर दबिश देकर 06 आरोपियों नवीन केशरवानी , जितेन्द्र देवांगन, सुरेन्द्र कुर्रे , योगेश कोसले , गोपाल मनहरे, सुनील पटेल को गिरफ्तार किया है। रात के समय मुखबिर के जरिए विश्वसनीय सूचना मिली थी बताया जाता है कि गांधी मंदिर वार्ड ज़ाटापारा निवासी नवीन केशरवानी अपने मकान की दूसरी मंजिल के खुले हॉल में मोटी रकम की हार-जीत का दांव लगवाकर 'काटपत्ती' नामक जुआ खिला रहा है। सूचना की गंज़ीरता को देखते हुए थाना ज़ाटापारा शहर पुलिस टीम द्वारा तत्काल संबंधित स्थान में घेराबंदी की गई। पुलिस टीम द्वारा अचानक दी गई दंबिश में फड़ पर मौजूद जुआरियों में हड़कंप मच गया। मौके से पुलिस ने 06 नामजद आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ा। जमा तलाशी और फड़ से कुल 49,530 नगद, 52 परी ताश के पत्ते को विधिवत जब्त किया गया। उक्त आरोपियों के खिलाफ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 4, 5 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

परसवानी-अकोली में सीसी रोड, रामपुर में सामुदायिक भवन का भूमिपूजन

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देते हुए तीन ग्रामों को बड़ी सौगात मिली। भाजपा वरिष्ठ नेता शिवरतन शर्मा ने ग्राम परसवानी और अकोली में सीसी रोड निर्माण कार्य तथा ग्राम रामपुर में यदु समाज के सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया। लंबे समय से इन दोनों गांवों में पक्की सड़क की मांग की जा रही थी। सीसी रोड के निर्माण से ग्रामीणों की यह मांग अब पूरी होने जा रही है। इस अवसर पर शिवरतन शर्मा ने कहा,गांव की सड़कें गांव की प्रगति की पहचान होती हैं। परसवानी और अकोली में सीसी रोड बनने से अब बरसात के दिनों में कीचड़ और गड्ढों की समस्या हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी। हमारे किसान भाइयों को अपनी फसल मंडी तक ले जाने में और बच्चों को स्कूल जाने में अब कोई परेशानी नहीं होगी। गांव का विकास ही हमारी पहली प्राथमिकता है। ग्राम रामपुर में यदु समाज के सामुदायिक भवन का भूमिपूजन विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। यह भवन क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। सामुदायिक भवन को लेकर शिवरतन शर्मा ने कहा,यह भवन केवल ईंट-पत्थर का ढांचा नहीं होगा, बल्कि हमारे सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का केंद्र बनेगा। यहां यदु समाज के साथ-साथ पूरे ग्राम के लोग शादी-विवाह, छठी, जन्मोत्सव जैसे मांगलिक कार्यों के साथ-साथ धार्मिक अनुष्ठान, सामाजिक बैठकें और सांस्कृतिक कार्य₹ म भी आयोजित कर सकेंगे। शिवरतन शर्मा ने आगे कहा की समाज को जोड़ने और अपनी संस्कृति को आगे बढ़ाने में ऐसे भवनों की भूमिका सबसे अहम होती है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह भवन आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता को और अधिक मजबूत करेगा।

जिला बेमेतरा, थाना खम्हरिया पुलिस टीम की कार्यवाही

हॉकी स्टीक एवं धारदार वस्तु से मारपीट कर गंभीर चोट पहुंचाने के मामले में आरोपीगण गिरफ्तार

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थानखम्हरिया। प्रार्थी मालिक राम साहू उम्र 41 वर्ष निवासी ग्राम कोपेडबरी, थाना थान खम्हरिया, जिला बेमेतरा ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 02.07.2026 की रात्रि 01.20 बजे मनोहर की पत्नि फोन करके बतायी कि तुम्हारा भाई मनोहर को अज्ञात दो व्यक्ति घर अंदर घुसकर हॉकी की स्टीक से सिर में प्राणघातक हमला कर मार दिये जिससे सिर से खून निकल रहा है खबर मिलने पर आस पास के लोगो के साथ पहुचकर ईलाज के लिए मनोहर साहू को अस्पताल पहुंचाया हैं कि प्रार्थी के रिपोर्ट पर अपराध सदर धारा 109 (1), 331(2), 3(5) BNS पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना दौरान सीन ऑफ काईम यूनिट बेमेतरा का सहयोग लिया गया।

उक्त घटना संबंध में वरिष्ट अधिकारियो को अवगत कराया गया। जिस पर पुलिस उप महानिरीक्षक (DIG) श्री रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) ने तत्काल आरोपियों के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही करने निर्देश दिए। जिसके तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री हरीश यादव एवं एसडीओपी बेमेतरा श्री भूषण एक्का के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी खम्हरिया उप निरीक्षक ओंकार साहू को अपराध विवेचना हेतु थाना स्टाफ के साथ लगाया गया।

प्रकरण की विवेचना के दौरान संदेहियों योगेन्द्र चौहान उर्फ बादल, कन्हैया लाल यादव को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर अपना अपराध स्वीकार किया। पूछताछ करने पर पता चला कि पुरानी रंजिश एवं आपसी निजी बातों के चलते हॉकी स्टीक एवं धारदार वस्तु से मारपीट कर गंभीर चोट पहुंचाना। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त हॉकी स्टीक एवं अन्य साक्ष्य जप्त किया गया। प्रकारण में आरोपी 01. योगेंद्र चौहान उर्फ बादल पिता नंदु चौहान उम्र 24 वर्ष, 02. कन्हैया लाल यादव पिता नन्हा यादव उम्र 33 वर्ष, पता ग्राम कोसमंदा, थाना पिपरिया, जिला कबीरधाम एवं 01 अन्य आरोपीया को आज 05.07.2026 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर माननीय न्यायालय प्रस्तुत किया गया। इस संपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी खम्हरिया उप निरीक्षक ओंकार साहू, प्रशिक्षु उपनिरीक्षक सुरेश चौहान, आरक्षक अशरफी खान, बलदेव निषाद , मुकेश चंद्रवंशी, अनिल सोनकर, महिला आर. सुशीला ध्रुव सहित अन्य खम्हरिया स्टाफ का महत्वपूर्ण भूमिका रही।

विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन, अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का सर्वसम्मति से चयन

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शासन के निदेर्शानुसार विद्यालय प्रबंधन समिति के गठन की प्रि या संपन्न की गई। प्रथम चरण में पालक बैठक आयोजित कर समिति के सदस्यों का सर्वसम्मति से चयन किया गया। दूसरे चरण में विद्यालय प्रबंधन समिति की प्रथम बैठक में अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का चयन किया गया।कार्य₹ म का संचालन एवं निर्देशन विद्यालय के वरिष्ठ व्याख्याता डी पी साहू द्वारा किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से दीपक टिकरिहा को विद्यालय प्रबंधन समिति का अध्यक्ष तथा गायत्री ध्रुव को उपाध्यक्ष चुना गया। विद्यालय की प्राचार्य डॉ. अर्चना वर्मा समिति की सदस्य सचिव रहेंगी। इसके अलावा समिति में पार्षद सतीश साहू , पी. आर. शर्मा, के. लकड़ा, बी. शर्मा सहित अन्य सदस्यों को भी शामिल किया गया।

छुरा मार्ग में फिर मौत का तांडव

दो दिन में दूसरी जान गई, बस की चपेट में आई महिला की दर्दनाक मौत, ग्रामीणों में उबाल

नरेन्द्र कुमार सेन

गरियाबंद। जिले में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को गरियाबंद-छुरा मार्ग पर ग्राम परसुली के पास हुए भीषण सड़क हादसे में बस की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार महिला की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि बाइक चला रहा पुरुष घायल हो गया। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, बागबाहरा क्षेत्र के भीखापाली निवासी महिला और एक पुरुष मोटरसाइकिल से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान गरियाबंद से खड़मा की ओर जा रही मां ट्रेवल्स की बस ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि महिला ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। घायल पुरुष को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।

घटना की सूचना मिलते ही गरियाबंद कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई शुरू की। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है तथा आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

दो दिन में दूसरी मौत, ग्रामीणों में भारी नाराजगी

स्थानीय लोगों का कहना है कि इसी स्थान के आसपास दो दिन पहले भी कार की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत हुई थी। लगातार दूसरी जान जाने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। उनका आरोप है कि इस मार्ग पर तेज रफ्तार वाहनों पर कोई नियंत्रण नहीं है और सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम भी नहीं किए गए हैं।

प्रशासन से उठी सुरक्षा उपायों की मांग

ग्रामीणों ने प्रशासन से दुर्घटनास्थल पर तत्काल स्पीड ब्रेकर, चेतावनी संकेतक, नियमित पुलिस निगरानी तथा अन्य सड़क सुरक्षा उपाय लागू करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जल्द प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में और भी बड़े हादसे हो सकते हैं। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

महीनों से भुगतान नहीं, सिविल, जल, विद्युत एवं सफाई ठेकेदारों का हाल बेहाल

रायपुर। नगर निगम की सीमा के भीतर लोगों को मूलभूत सुविधाएँ प्रदान करने में अग्रणी रायपुर नगर निगम के ठेकेदारों को महीनों से भुगतान पर पूर्ण रोक लगने के कारण उनके समक्ष दैनिक दिनचर्या के खर्चों के लिए लेनदारों का सामना करना पड़ रहा है। भुगतान के अभाव में लगभग सभी विकास कार्य ठप पड़े हुए हैं।

विगत कुछ महीनों से, जब से नए आयुक्त महोदय का निगम में आगमन हुआ है, तब से ऐसा प्रतीत होता है कि ठेकेदारों के बिल भुगतान की फाइलों को मानो लकवा मार गया हो। नए आयुक्त द्वारा फाइलों में गति लाने की मंशा से ई-फाइलिंग सिस्टम को अनिवार्य किया गया, किंतु नगर निगम के कुछ अधिकारी इस व्यवस्था को विफल करने में लगे हुए हैं। उन्हें ई-फाइलिंग से अपना व्यक्तिगत नुकसान दिखाई दे रहा है। यदि ई-फाइलिंग प्रणाली सफल हो गई, तो फाइलें लटकाने के बदले मिलने वाला पैसा कौन देगा? स्थिति और भी गंभीर तब हो गई जब नगर निगम में राज्य शासन द्वारा आंतरिक अंकेक्षण (ऑडिट) के लिए सबसे भ्रष्ट कंपनी को ठेके पर नियुक्त कर दिया गया। उसके कम पढ़े-लिखे कर्मचारी ठेकेदारों की फाइलों को बिना पूरी तरह देखे ही आपत्तियाँ लगा रहे हैं। इसका एकमात्र कारण यही प्रतीत होता है कि ठेकेदार देयक पास कराने के लिए उन्हें चढ़ावा देना शुरू करें। वे केवल अधिकारियों के दबाव वाले देयकों को ही पारित कर रहे हैं।

ठेकेदार, जो पहले से ही कर्ज लेकर व्यवसाय करते हैं और मामूली मुनाफे पर जैसे-तैसे अपना घर चलाते हैं, उनका भविष्य अंधकारमय दिखाई देने लगा है। हताशा और चिंता उन पर हावी होती जा रही है। लेनदारों की लगातार मांग, घर का खर्च, बच्चों की फीस, बुजुर्गों की देखभाल, दवाइयाँ आदि का प्रबंधन उनके लिए पहाड़ जैसा कठिन हो गया है।

आयुक्त, महापौर तथा नेता प्रतिपक्ष सहित सभी जनप्रतिनिधियों के समक्ष ठेकेदार अपनी गुहार लगाकर थक चुके हैं, लेकिन उन्हें केवल आश्वासन ही मिल रहा है। अतः इन सभी समस्याओं के विरोध में दिनांक 06/07/2026 (सोमवार) को समस्त ठेकेदारों ने काम बंद करने का निर्णय लिया है।

स्वामी आत्मानंद विद्यापीठ भाटापारा में प्रवेशोत्सव मना

भाटापारा। छ.ग. मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज अर्जुनी राज व नगर इकाई के संयुक्त तत्वाधान में स्थानीय कुर्मी बोर्डिंग में संचालित स्वा. आत्मानंद विद्यालय में शाला प्रवेश उत्सव मनाया गया। नवप्रवेशी 11 छात्र - छात्राओं का तिलक लगाकर सम्मान करते हुए उनका मुँह मीठा कराया गया एवं कक्षा चौथी व पांचवी के छात्र छात्राओं को निः शुल्क पाठ्य पुस्तक वितरित किया गया। उक्त अवसर पर जयपाल कश्यप, सेवाराम वर्मा, के. के. वर्मा, डी. एल. बघमार, हेमलाल वर्मा व स्कूल के स्टॉफ के लोग उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में भी लागू हो ग्रेन एटीएम योजना - संजय श्रीवास्तव

नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री एवं खाद्य मंत्री से की पहल

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने गत माह मेघालय राज्य के शिलांग में संचालित आधुनिक "ग्रेन (अनाज) एटीएम" प्रणाली का अवलोकन एवं निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने इस तकनीक के माध्यम से सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को अधिक पारदर्शी, सुगम एवं हितग्राही-केंद्रित बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का विस्तृत अध्ययन किया। संजय श्रीवास्तव ने बताया कि ग्रेन एटीएम एक अत्याधुनिक स्वचालित मशीन है, जिसे राशन दुकानों के बाहर स्थापित किया जाता है और यह बैंक के एटीएम की तरह कार्य करती है। इस प्रणाली के माध्यम से हितग्राही अपने राशन कार्ड अथवा आधार कार्ड के आधार पर मशीन में अपनी पहचान दर्ज कराते हैं। इसके बाद बायोमेट्रिक (फिंगरप्रिंट) सत्यापन होने पर मशीन निर्धारित पात्रता के अनुसार स्वतः चावल अथवा गेहूं उपलब्ध कराती है। श्रीवास्तव ने कहा कि इस तकनीक के लागू होने से हितग्राहियों को कई महत्वपूर्ण सुविधाएं प्राप्त होती हैं। उन्हें राशन लेने के लिए लंबी कतारों में प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ती, मशीन द्वारा निर्धारित मात्रा में ही अनाज वितरित होने से तौल संबंधी त्रुटियों एवं अनियमितताओं की संभावना समाप्त हो जाती है तथा वितरण प्र₹ या पूरी तरह पारदर्शी एवं विश्वसनीय बनती है। ग्रेन एटीएम की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह "24 घंटे" संचालित किया जा सकता है। इससे हितग्राही अपनी सुविधा एवं समयानुसार किसी भी समय राशन प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही "वन नेशन, वन राशन कार्ड" योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राही देश के किसी भी स्थान पर उपलब्ध ऐसी मशीन के माध्यम से अपना निर्धारित खाद्यान्न प्राप्त करने की सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। इससे प्रवासी श्रमिकों एवं अन्य लाभार्थियों को विशेष सुविधा मिलेगी। अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने कहा कि डिजिटल तकनीक के उपयोग से सार्वजनिक वितरण प्रणाली को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि मेघालय में ग्रेन एटीएम की व्यवस्था का सफल संचालन यह दर्शाता है कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से खाद्यान्न वितरण प्रणाली को अधिक सुविधाजनक और भ्रष्टाचारमुक्त बनाया जा सकता है।

उन्होंने माननीय मुख्यमंत्री एवं खाद्य मंत्री से आग्रह किया है कि प्रदेश के हितग्राहियों की सुविधा, खाद्यान्न वितरण में पारदर्शिता तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के आधुनिकीकरण को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ में भी चरणबद्ध तरीके से "ग्रेन एटीएम योजना" प्रारंभ किया जाए। श्रीवास्तव ने विश्वास व्यक्त किया कि यदि यह व्यवस्था छत्तीसगढ़ में लागू होती है तो प्रदेश के लाखों राशन कार्डधारकों को समयबद्ध, सुविधाजनक एवं पारदर्शी तरीके से खाद्यान्न उपलब्ध होगा। इससे सार्वजनिक वितरण प्रणाली में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा मिलेगा, हितग्राहियों का विश्वास और मजबूत होगा तथा सुशासन एवं डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ एक नई मिसाल स्थापित करेगा।

संक्षिप्त समाचार

संत कबीर दास की जयंती पर निकली भव्य शोभायात्रा में शामिल हुए नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा

भाटापारा। संत कबीर दास की जयंती के अवसर पर नगर में श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा सहित जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर संत कबीर दास के चरणों में श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होकर निकाली गई जहां श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन, संतवाणी, जयघोष एवं आध्यात्मिक प्रस्तुतियों के माध्यम से संत कबीर दास के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। उक्त कार्य₹ म में नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा कि संत स–ुरू कबीर दास जी केवल एक महान संत ही नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के प्रखर प्रवक्ता थे। उनके विचार आज भी समाज को एकता, समरसता, मानवता और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने अपने जीवन और वाणी के माध्यम से प्रेम, भाईचारे और समानता का संदेश देकर समाज में व्याप्त ज़ेदभाव एवं कुरीतियों के विरुद्ध जनजागरण का कार्य किया। वर्तमान समय में उनके आदर्शों की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। यदि हम संत कबीर दास के बताए मार्ग को अपने जीवन में अपनाएँ, तो सामाजिक सौहार्द, आपसी सद्भाव और राष्ट्र निर्माण की भावना और अधिक सशक्त होगी। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को संत कबीर दास की जयंती की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत को जीवंत बनाए रखने के साथ-साथ समाज में सद्भाव और एकता की भावना को भी सुदृढ़ करते हैं।

शास उच्च माध्य विद्यालय देवरी में प्रबंधन समिति का गठन

भाटापारा। शास उच्च माध्य विद्यालय देवरी में शाला प्रबंधन समिती का गठन विद्यालय के विद्यार्थियों के अभिभावक, संरक्षक,स्थानीय प्राधिकरण के प्रतिनिधी,शिक्षा विद् विषय विशेषज्ञ शिक्षक एवं भूतपूर्व विद्यार्थी को सम्मिलित करते हुए किया गया सेवक राम साहू अध्यक्ष एवं शोभित यादव उपाध्यक्ष बने। सचिव हेम कुमार साहू ,पालक सदस्य पवन कुमार वर्मा,टेकराम घृतलहरे,नरेश कुमार साहू,गन्नूलाल रजक, दिनेश रजक, पार्वती साहू,हेमलता साहू,नोकेश्वरी साहू,संतोषी यादव,हेमीन साहू ,ग्राम पंचायत से चयनित सदस्य सरिता डाण्डे, सावंत साहू,कैलाश साहू,हेमा वर्मा,शिक्षाविद भागवत प्रसाद ओझा,भूतपूर्व छात्र गजेन्द्र कुमार साहू,आंगन बाडी/आशा कार्यकर्ता प्रिती मानिकपुरी शिक्षक सदस्य प्रीती शाह, रूखमणी साहू विद्यालय के प्राचार्य दिनेश कुमार शर्मा ने शाला प्रबंधन समिती के सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी।

पितईबंद में घर के सामने मिली युवक की लाश, हत्या की आशंका, चार संदिग्धों से पुलिस की पूछताछ

नरेन्द्र कुमार सेन

गरियाबंद/राजिम। राजिम थाना क्षेत्र के ग्राम पितईबंद में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में लाश मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान उत्तम भारती के रूप में हुई है। युवक का शव उसके ही घर के सामने बरामद हुआ, जिससे हत्या की आशंका और गहरा गई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतक के शरीर पर लोहे के रॉड जैसे भारी वस्तु से वार किए जाने के निशान दिखाई दे रहे हैं। घटना बीती रात करीब 12 बजे की बताई जा रही है। सूचना मिलते ही राजिम पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल को घेरकर जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने चार संदिग्ध युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। वहीं फॉरेंसिक टीम भी घटनास्थल के लिए रवाना हो गई है, जो वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य जुटाएगी पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चुरी भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच में जुटी हुई है।

नकटी जमीन विवाद में नया मोड़, बोले अनुराग सिंह विधायक कॉलोनी का कोई प्रस्ताव नहीं

रायपुर। नकटी गांव की जमीन को लेकर मचा घमासान अब और तेज हो गया है। यहां की जमीन पर जारी विवाद और विधायक कॉलोनी बनने की खबरों के बीच हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष अनुराग सिंह के एक बयान ने इस विवाद को एक नया मोड़ दे दिया है। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में साफ कर दिया है कि वहां कोई भी विधायक कॉलोनी नहीं बन रही है।

किसकी है जमीन का असली मालिक?

अनुराग सिंह ने दावा किया है कि नकटी की जिस विवादित जमीन पर तोड़फोड़ की कार्रवाई हुई, उसका हाउसिंग बोर्ड से कोई लेना-देना ही नहीं है। उन्होंने दो टूक कहा कि यह पूरी जमीन अभी राजस्व विभाग के पास है। यह पूरी तरह से शासकीय भूमि है।

अध्यक्ष ने बताया कि अतिक्रमण का खेल पुराना है। साल 2022 में करीब 3 हेक्टेयर जमीन पर कब्जा था, लेकिन 2023-24 के दौरान लोगों ने इसे और बढ़ा लिया। हैरानी की बात तो यह है कि कुछ जगहों पर तो एक-एक व्यक्ति ने 29 हजार वर्गफीट तक जमीन घेर रखी थी। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि हाईकोर्ट पहले ही इसे सरकारी जमीन बता चुका है।

क्या बलौदाबाजार जैसा बवाल दोहराने की कोशिश?

इस मामले को लेकर कांग्रेस पर हमला करते हुए अनुराग सिंह ने सीधे आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बेवजह जनभावनाओं को भड़काकर माहौल खराब करना चाहती है। सिंह ने दावा किया कि कांग्रेस बलौदाबाजार जैसी घटना को फिर से दोहराने की फिराक में है।

उन्होंने पिछली सरकार का कच्चा-चिट्ठा खोलते हुए कहा कि भूपेश सरकार के समय छेड़ीखेड़ी में भी ऐसी ही कार्रवाई हुई थी। तब 150 कब्जाधारियों को हटाया गया था और बाद में वहां विधायकों को जमीन दे दी गई थी। सिंह ने आरोप लगाया कि उस वक्त सरकार के खिलाफ हुए प्रदर्शन में एक किसान की जान तक चली गई थी। अब कांग्रेस वही सब फिर से करवाना चाहती है।

फिलहाल, इस सफाई के बाद स्थानीय लोगों की नजरें अब राजस्व विभाग के अगले कदम पर टिकी हैं। क्या प्रशासन का बुलडोजर आगे भी चलेगा या मामला ठंडा पड़ेगा ये बड़ा सवाल है।

1 जुलाई से बदल गया रोजगार गारंटी का नियम

अब 100 नहीं 125 दिन मिलेगा काम, मजदूरों के जेब में आएंगे ज्यादा पैसे

रायपुर। देश के लाखों ग्रामीणों के लिए 1 जुलाई से एक बेहद बड़ी खुशखबरी सामने आई है। केंद्र सरकार ने ग्रामीण रोजगार व्यवस्था को पूरी तरह बदलते हुए नया कानून लागू कर दिया है, जिसके तहत अब ग्रामीणों को ज्यादा दिन काम और बढ़ी हुई मजदूरी मिलेगी।

मनरेगा की जगह अब 'वीबी–जी राम जी एक्ट'

दरअसल, केंद्र सरकार ने 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025' (वीबी-जी राम जी एक्ट) को आज से पूरे देश में लागू कर दिया है।

अब 100 नहीं, पूरे 125 दिन के काम की पक्की गारंटी

इस नए कानून के तहत सबसे बड़ा फायदा यह हुआ है कि अब ग्रामीण परिवारों को साल में सिर्फ 100 दिन नहीं, बल्कि पूरे 125 दिनों के रोजगार की कानूनी गारंटी मिलेगी। यानी अब संकट के दिनों में ग्रामीणों के हाथ में 25 दिन का अतिरिक्त काम होगा, जिससे गांवों से पलायन रुकेगा।

जेब में आएंगे ज्यादा पैसे

गौरतलब है कि सरकार ने अब देश में औसत दैनिक मजदूरी को 298.8 रुपये से बढ़ाकर 327.4 रुपये कर दिया है। यानी हर दिन की कमाई में सीधे 28.6 रुपये की बढ़ोतरी हुई है।

मिनिमम मजदूरी का नियम- अब देश के किसी भी राज्य में 300 रुपये से कम मजदूरी नहीं दी जाएगी।

बजट का इंतजाम- सरकार ने इस नई व्यवस्था को बिना किसी रुकावट के चलाने के लिए 95,692.31 करोड़ रुपये का भारी-भरकम बजट राज्यों को जारी कर दिया है, ताकि मजदूरों के भुगतान में देरी न हो।

उत्तर प्रदेश, बिहार और इन राज्यों में बंपर बढ़ोतरी

उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और असम जैसे राज्यों में मजदूरी दरों में 15 से 25 फीसदी तक का तगड़ा उछाल आया है। वहीं कुछ राज्यों में तो यह आंकड़ा 400 के पार निकल गया है

हरियाणा- 409 प्रतिदिन

गोवा- 406 प्रतिदिन

केरल-401 प्रतिदिन

सिक्किम (ऊंचाई वाले क्षेत्र)- 450 प्रतिदिन

04 जुलाई से मृत्यु पंचक की शुरूआत अनेक शुभ कार्य वर्जित

भाटापारा। जुलाई महीने के प्रारंभ होते ही पहला पंचक 04 जुलाई दिन शनिवार को लगने जा रहा है जबकि दुसरा पंचक महीने के आखरी 31 जुलाई को लगेगा और दुसरा पंचक 04 अगस्त तक रहेगा। शनिवार 4 जुलाई को लगने वाला पहला पंचक को मृत्यु पंचक कहा गया है। पंचक के दौरान ज्योतिष मान्यता है कि इस दौरान जोखिम भरे और शुभ काम करने से मृत्यु के समान कष्ट प्राप्त होता है इसलिए इसे मृत्यु पंचक कहा गया है। पंचक के दौरान केवल धार्मिक कार्य , पूजा पाठ एवं ईश्वर भक्ति करने का विधान है । पंचक के दौरान लकड़ी इकट्ठा करना खरीदना तथा लकड़ी से जुड़े हुए कार्य करना , लकड़ी की चार पाई बनवाना , घर की छत ढालना जैसे कार्य वर्जित बताये गये है इसके अलावा गृह प्रवेश , विवाह व अन्य मांगलिक कार्य इन पांच दिनों में नही करने की सलाह जानकार पंडितो ने दी है। पंचक के दौरान शिव आराधना , हनुमंत आराधना , व भगवान विष्णु की पूजा के साथ मंत्रजाप व दान के साथ साथ गौ सेवा भक्ति करना शुभ माना गया है। 4 जुलाई शनिवार से प्रारंभ हो रहे पंचक 8 जुलाई को शाम 4 बजे समाप्त होगा । पंडितो के अनुसार पंचक के दौरान यदि किसी की मौत हो जाये तो उसके अंतिम संस्कार में पुरे विधि विधान से नियमों का पालन करते हुए अंतिम संस्कार करना चाहिए। पंचक के दौरान चारपाई बुनवाना तथा नया पलंग व बेड खरीदना भी अशुभ माना गया है। पंचक में नये पलंग खरीदने व चारपाई बनवाने पर घर में रोग व संकट का वास हो सकता है।

पंडवानी गायिका तीजन बाई पंचतत्व में विलीन

राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार; नाना से प्रेरणा मिली, 13 की उम्र में पहली बार गाया

रायपुर। छत्तीसगढ़ की लोक कला और पंडवानी गायन को वैश्विक पहचान दिलाने वाली पद्म विभूषण तीजन बाई का निधन हो गया। वे 70 साल की थीं। उन्होंने शनिवार रात 3.15 बजे रायपुर एम्स में अंतिम सांस ली। वे पिछले कुछ समय से बीमार थीं।

भारतीय लोक कला में उनके असाधारण योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री, पद्म भूषण और देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। रविवार सुबह 11 बजे तीजन बाई के शव को उनके पैतृक गांव गनियारी लाया गया, जहां राजकीय सम्मान के साथ तीजन बाई को अंतिम विदाई दी गई। तीजन बाई ने अपनी सशक्त आवाज, प्रभावशाली अभिनय और अनोखी प्रस्तुति शैली से पंडवानी को देश ही नहीं, बल्कि विदेशों तक में नई पहचान दिलाई। महाभारत की कथाओं को सुनाने की प्रेरणा उन्हें नाना से मिली थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीजन बाई के निधन पर शोक जताया। उन्होंने ङ्ग पर लिखा, 'उन्होंने छत्तीसगढ़ की लोक कला को अपनी भव्य प्रस्तुति से दुनियाभर में पहचान दिलाई। उनका जाना कला और संस्कृति जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।' छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि पंडवानी के जरिए उन्होंने देश-विदेश में राज्य का नाम रोशन किया।

छत्तीसगढ़ ने खोया लोकसंस्कृति का अनमोल रत्न

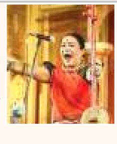

छत्तीसगढ़ की विश्व प्रसिद्ध पंडवानी गायिका और पद्म विभूषण डॉ. तीजन बाई का 70 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने रविवार तड़के करीब 3:15 बजे रायपुर के एम्स में अंतिम सांस ली, जहां वे लंबे समय से फेफड़ों की बीमारी का इलाज करवा रही थीं। उनके निधन की खबर से पूरे प्रदेश सहित देशभर के कला और सांस्कृतिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। देर रात मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उनके परिजनों से फोन पर बात कर स्वास्थ्य की जानकारी ली थी। वहीं, उनकी बहू रेणु ने बताया कि माता जी का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव गनियारी में पूरे रीति-रिवाज के साथ किया जाएगा।तीजन बाई ने अपनी दमदार आवाज, अभिनय और अनूठी प्रस्तुति शैली के जरिए पंडवानी को देश-दुनिया में नई पहचान दिलाई। तीजन बाई ने कापालिक शैली में पंडवानी की प्रस्तुति देकर देश-दुनिया के दर्शकों को मंत्रमुग्ध कियाढ्ढ महाभारत की कथाओं को जीवंत करने की उनकी कला ने लाखों लोगों को मंत्रमुग्ध किया। उन्होंने हजारों मंचों पर प्रस्तुति देकर छत्तीसगढ़ की लोक परंपरा का परचम विदेशों तक लहराया। लोककला के क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री, पद्मभूषण और देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। इसके अलावा उन्हें संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, फुकोका पुरस्कार समेत कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुए। खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय ने उन्हें डी.लिट की मानद उपाधि भी प्रदान की थी। वर्ष 1980 में सांस्कृतिक राजदूत के रूप में उन्होंने इंग्लैंड, फ्रांस, स्विट्जरलैंड, जर्मनी, तुर्की, माल्टा, साइप्रस, रोमानिया और मॉरीशस की यात्राएं कर पंडवानी को वैश्विक मंच तक पहुंचाया। दुशासन वध के प्रसंग पर उनकी प्रस्तुति आज भी दुनिया भर में सराही जाती है। 8 अगस्त 1956 को दुर्ग जिले के पाटन विकासखंड के अटारी गांव में जन्मी तीजन बाई का बचपन अभावों में बीता।

पद्म विभूषण डॉ. तीजन बाई को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दी श्रद्धांजलि

डॉ. तीजन बाई का निधन छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत के लिए अपूरणीय क्षति - मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), रायपुर पहुंचकर पद्म विभूषण से सम्मानित विश्वविख्यात पंडवानी गायिका डॉ. तीजन बाई के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शोकाकुल परिजनों से भेंट कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डॉ. तीजन बाई ने अपनी अद्वितीय कला-साधना और विलक्षण प्रतिभा से उन्होंने पंडवानी को विश्व पटल पर विशिष्ट पहचान दिलाई तथा छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया। डॉ. तीजन बाई का निधन छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति एवं सांस्कृतिक विरासत के लिए अपूरणीय क्षति है। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, विधायक श्री पुरंदर मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

अश्वनी शर्मा ने सिंगारपुर में किया निः शुल्क कम्प्युटर प्रशिक्षण का शुभारंभ

भाटापारा। शहर से 11 किलोमीटर दुर प्रसिद्ध धार्मिक स्थल ग्राम सिंगारपुर में प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज द्वारा निः शुल्क बेसिक कम्पयुटर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जिसमें पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए इस दौरान उन्होंने सतनामी समाज द्वारा आयोजित उक्त कार्य₹ म की प्रशंसा करते हुए कहा कि मौजुदा दौर डिजिटल क्रांति का दौर है और इस समय ग्रामीण क्षेत्र के छात्र छात्राओं एवं युवाओं को डिजिटल शिक्षा से जोड़ते हुए उन्हें कम्प्युटर का बेसिक ज्ञान उपलब्ध कराना तथा आधुनिक तकनीकी कौशल से सशक्त बनाना निः संदेह सहराहनीय काम है । प्रशीक्षण के माध्यम से छात्र छात्राओं और युवाओं को कम्प्युटर संचालन एमएस ऑफिस , इंटरनेट , ईमेल तथा डिजिटल सेवाओं की प्रारंभिक जानकारी दी जायेगी । जिससे की सभी प्रतिभागी शिक्षा के क्षेत्र में तथा प्रतियोगी परीक्षाओं एवं रोजगार के क्षेत्र में अच्छा से अच्छा अवसर हासिल कर सके । उक्त अवसर पर कनक मनहरे , सुंदरलाल साहू, माखन महिलांगे , अशोक बांधे , फलित कुर्रे , पुनमदास बंजारे , जितेन्द्रदास मनहरे , दीपक घृतलहरे, श्याम जांगड़े , रविदास खुंटे, इतवारी जांगड़े सहित सुनील यदु, हर्षवर्धन यदु सहित बड़ी संख्या में प्रगतिशील सतनामी समाज के सदस्य ग्रामवासी उपस्थित थे।

भाटापारा क्षेत्र में पर्याप्त वर्षा नहीं होने से आम इंसान के साथ साथ पशु पक्षी भी परेशान

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। इस वर्ष नगर व क्षेत्र में बीते वर्ष की तुलना में अत्यंत ही कमजोर बारिश होने के साथ गर्मी का असर खतम होने का नाम नही ले रहा है । जिसके कारण आम नागरिक जहां बचैन है वहीं किसान भी परेशान है उनकी खेती का क्रम पुरी तरह पिछड़ गया है । गर्मी व उमस के चलते आम इंसानों के साथ साथ पशु - पक्षी जानवर व वन क्षेत्र में रहने वाले जीव जंतु भी पानी के अभाव में परेशान है । पानी व छाव की तलाश में जानवर , पशु - पक्षी इधर उधर भटक रहे है वहीं क्षेत्र की जीवनदायनी कही जाने वाली शिवनाथ नदी जहां पुरी तरह सेमरिया घाट में सुख गई है वहीं उत्तर दिशा में टोहड़ी घाट में शिवनाथ का जल भी कमजोर रूप से प्रवाहित हो रहा है जिसके कारण शहर गंभीर जल संकट से झुझ रहा है हालांकि जल संकट से निपटने के लिए पानी टैंकरो क जरिये लोगो तक पानी पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है । फिर भी पेयजल की गंभीर समस्या से क्षेत्रवासी झूझ रहे है । शहर के टोहड़ी घाट से लगे गांव से होते हुए बंदरो का कुनबा अब चारा पानी की तलाश में शहर की ओर बड़ी संख्या में पहुंच रहे है जिसके कारण शहर के भीतर झुंड में बंदर

उछलकूद करते हुए आम तौरपर नजर आने लगे है । बंदरो का समुह चारा पानी के अभाव में व्याकुल होकर अनेक स्थानो पर स्थित पेड़ के नीचे व ऊपर मजमा लगाये बैठे हुए है जिससे अनुमान लगाया जा सकता है कि अवर्षा की स्थिति से आम इंसान किसान के साथ साथ पशु पक्षी जानवर व तमाम जीव जंतु परेशान है और धुआधार एवं मुसलाधार बारिश की बेसब्री से प्रतीक्षा कर रहे है ।

पत्रकारिता लोकतंत्र का सशक्त आधार, निष्पक्ष पत्रकारिता से ही राष्ट्र होता है सशक्त

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। नगर के माहेश्वरी भवन में श्रमजीवी पत्रकार संघ, भाटापारा द्वारा आयोजित पत्रकारिता एवं चुनौतिया विषयक पत्रकार सम्मेलन का आयोजन किया गया । उक्त सम्मेलन में वर्तमान समय की पत्रकारिता, डिजिटल मीडिया के बढ़ते प्रभाव, फेक न्यूज की चुनौती, सामाजिक उत्तरदायित्व, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में मीडिया की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक एवं सार्थक चर्चा हुई। वक्ताओं ने बदलते तकनीकी दौर में पत्रकारिता के मूल्यों, निष्पक्षता और तथ्यपरकता को बनाए रखने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता शिवरतन शर्मा ने समापन अवसर पर कहा कि कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का सशक्त आधार है। निष्पक्ष, निर्भीक और तथ्यपरक पत्रकारिता ही किसी भी राष्ट्र को मजबूत बनाती है। पत्रकार केवल घटनाओं के साक्षी नहीं होते, बल्कि समाज की चेतना को जागृत करने वाले मार्गदर्शक भी होते हैं। आज डिजिटल युग में सूचना का प्रवाह अत्यंत तीव्र हो गया है, ऐसे समय में सत्य, विश्वसनीयता और सामाजिक उत्तरदायित्व का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। कार्य₹ म का शुभारंभ करते हुए क्षेत्र के विधायक इन्द्र साव ने कहा कि पत्रकारों का दायित्व है कि वे तथ्यों पर आधारित समाचारों के माध्यम से समाज में सकारात्मक वातावरण का निर्माण करें तथा लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहें। पत्रकारों की सुरक्षा के लिए कानून को सार्थक बनाये जाने की आवश्यकता है। नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने पत्रकारों को लोकतंत्र का सजग प्रहरी बताते हुए कहा कि पत्रकारिता केवल समाचारों का संप्रेषण नहीं, बल्कि समाज को सही दिशा देने का एक महत्वपूर्ण दायित्व भी है। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज और शासन के बीच एक सशक्त सेतु के रूप में कार्य करते हैं तथा जनभावनाओं और जनसमस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुँचाकर लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वसनीयता से पत्रकार अपनी बेहतर पहचान बना सकते है। कार्यक्रम को आमंत्रित वक्ता डॉ. विश्वेस ठाकरे मैनेजिंग एडिटर, आईबीसी 24 एवं जनमन के संपादक डॉ. अनिल द्वीवेदी, स्वतंत्र लेखक उज्जवल दीपक, सीजी बॉक्स के फाउंडर देवेश तिवारी , एसडीओपी तारेश साहू , जनपद अध्यक्ष श्रीमति सविता प्रदीप अनंत ने भी संबोधित किया आगे कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ पत्रकारों का सम्मान भी किया गया तथा पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पत्रकारों को प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति-चिह्न प्रदान किए गए। कार्यक्रम में प्रदेश सह सचिव भुपेश धर दीवान अध्यक्ष संतोष साहू , जिला अध्यक्ष रामाधार पटेल सहित संघ के पदाधिकारीगण नरसिंग यादव ,प्रशांत वर्मा , कोमल शर्मा , राजेश यादव, अमृत साहू, बजरंग ध्रुव , किशोर गुप्ता ,सरिता ध्रुव , तुलसी जायसवाल , नदीम खान , राज यदु, रवि साहू, सतीश गुप्ता , मन्नाम बाठिया सहित जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ पत्रकार विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

डॉ. तीजन बाई के सम्मान में गनियारी के शासकीय हाई-हायर सेकेंडरी स्कूल का होगा नामकरण - शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव

शिक्षा मंत्री ने दी पद्मविभूषण डॉ. तीजन बाई को भावभीनी श्रद्धांजलि, उनके अंतिम संस्कार में रहे शामिल

रायपुर। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने आज विश्वविख्यात पंडवानी गायिका, पद्मविभूषण से सम्मानित एवं छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति की अप्रतिम धरोहर डॉ. तीजन बाई के गृहग्राम गनियारी स्थित निवास पहुंचकर उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके उपरांत वे उनकी अंतिम यात्रा में शामिल हुए तथा दाह संस्कार कार्य₹ म तक उपस्थित रहकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने घोषणा किया कि उनके गृहग्राम गनियारी स्थित शासकीय हाई-हायर सेकेंडरी स्कूल का नामकरण "डॉ. तीजन बाई शासकीय हाई-हायर सेकेंडरी विद्यालय, गनियारी" के नाम से किया जाएगा। शिक्षा मंत्री श्री यादव ने कहा कि डॉ. तीजन बाई ने अपनी अद्वितीय कला-साधना, ओजस्वी वाणी और आजीवन समर्पण के माध्यम से छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान दिलाई। उनका निधन छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक चेतना के एक स्वर्णिम अध्याय का अवसान है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने तथा शोकाकुल परिजनों एवं असंख्य प्रशंसकों को इस दु:ख की घड़ी में संबल देने की प्रार्थना की।

मंत्री श्री यादव ने कहा कि डॉ. तीजन बाई का संपूर्ण जीवन लोकपरंपराओं, संस्कृति और कला के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए समर्पित रहा। उनकी कला साधना, संघर्ष और उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बनी रहेंगी। छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को विश्व पटल पर स्थापित करने में उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने डॉ. तीजन बाई के सम्मान में उनके गृहग्राम गनियारी स्थित शासकीय हाई-हायर सेकेंडरी स्कूल का नामकरण "डॉ. तीजन बाई शासकीय हाई-हायर सेकेंडरी विद्यालय, गनियारी" के नाम से किया जाएगा। राज्य सरकार का यह निर्णय महान लोककलाकार के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगा तथा इससे भावी पीढ़ियों को उनके प्रेरणादायी व्यक्तित्व, जीवन-संघर्ष और सांस्कृतिक योगदान से निरंतर प्रेरणा प्राप्त होती रहेगी।

भाटापारा पत्रकार सम्मेलन की झलकियां

__भाटापारा।__ श्रमजीवी पत्रकार संघ, भाटापारा द्वारा जिला स्तरीय पत्रकार सम्मेलन 2026 का आयोजन माहेश्वरी भवन, मारवाड़ी कुआँ के पास, भाटापारा में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य पत्रकारों के बीच संवाद, समन्वय एवं पत्रकारिता के समक्ष उपस्थित चुनौतियों और अवसरों पर सार्थक चर्चा करना रहा। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में भाटापारा विधायक इन्द्र साव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका परिषद भाटापारा के अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने की तथा अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) तारेश साहू विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। द्वितीय सत्र में सदस्य प्रथम, चतुर्थ एवं पंचम विधानसभा शिवरतन शर्मा मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद पंचायत भाटापारा की अध्यक्षता सविता प्रदीप अनंत ने की।सम्मेलन में वक्ता के तौर पर वरिष्ठ पत्रकार एवं मीडिया विशेषज्ञ डॉ. विशेष ठाकरे, उज्ज्वल दीपक, डॉ. अनिल द्विवेदी तथा देवेश तिवारी ने पत्रकारिता की वर्तमान चुनौतियों, मीडिया की विश्वसनीयता, डिजिटल पत्रकारिता और समाज के प्रति पत्रकारों की जिम्मेदारियों पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पत्रकारों की गरिमामयी उपस्थिति रही। आयोजकों ने सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं पत्रकार साथियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजन निरंतर आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

नव नियुक्त एल्डरमेनों का हुआ स्वागत, जनप्रतिनिधियों व भाजपा कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

ब्यूरो चीफ अनिल सिंघानिया

थानखम्हरिया । राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा दुर्ग जिले के नगरीय निकायों के लिए नामांकित एल्डरमैनों की सूची जारी होने के बाद थानखम्हरिया नगर में हर्ष का माहौल है। उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव तथा भाजपा जिला अध्यक्ष अजय साहू के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में जारी सूची में थानखम्हरिया नगर पंचायत के लिए अनिल सिंघानिया, रोहित भारती एवं बलराम निषाद को एल्डरमैन नियुक्त किया गया है।

नियुक्ति के बाद साजा विधायक ईश्वर साहू एवं सांसद विजय बघेल ने तीनों नव नियुक्त एल्डरमैनों को सोशल मीडिया तथा व्यक्तिगत रूप से बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। विधायक ईश्वर साहू ने कहा कि जनसेवा के प्रति आपकी प्रतिबद्धता नगर के विकास, सुशासन एवं जनकल्याण के नए आयाम स्थापित करेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि तीनों एल्डरमैन नगर के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

नवनियुक्त एल्डरमैन अनिल सिंघानिया वर्तमान में अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के जिला अध्यक्ष हैं। वे लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी के सरि् य एवं कर्मठ कार्यकर्ता के रूप में संगठन को मजबूती प्रदान करते आ रहे हैं। गो सेवा सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों में उनकी सरि् य भागीदारी तथा मिलनसार एवं व्यवहारिक व्यक्तित्व को देखते हुए पार्टी ने उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है।

इसी प्रकार रोहित भारती पूर्व पार्षद एवं पूर्व बूथ अध्यक्ष रह चुके हैं तथा पिछले लगभग 25 वर्षों से पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ता के रूप में सरि् य हैं। वहीं बलराम निषाद, वार्ड ₹ मांक 14 के निवासी हैं और भाजपा के समर्पित कार्यकर्ता के रूप में लगातार संगठनात्मक गतिविधियों में योगदान दे रहे हैं।

नगर पंचायत अध्यक्ष अनीता चंदन अग्रवाल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि तीनों एल्डरमैनों की नियुक्ति से स्थानीय निकाय के विकास कार्यों को नई गति मिलेगी तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी ि यान्वयन में उनका महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा।

इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश जोशी, जिला महामंत्री राजेश ठाकुर, जिला मंत्री मुन्ना सिंघानिया, प्रिंस छाजेड़, वरिष्ठ पत्रकार लक्ष्मीनारायण चांडक, रमेश जैन, दौलत नाथ योगी यादव, सोनू शर्मा, भाजयुमो मंडल अध्यक्ष केशव पटेल, ज्वाला सिंह राजपूत, हिमांशु वर्मा, संजय सिंघानिया, रौनक मुरारका, राहुल छाबड़ा, पुरुषोत्तम अग्रवाल, वीरेंद्र सिन्हा, रोशन सिन्हा, प्रवेश नेताम, मनीष रात्रे, भैयाराम लहरे, पार्षद ऋषि तिवारी, ओमपाल, घनश्याम राजपूत, मंडल महामंत्री हरदत्त साहू, आशीष बंसल, पुन्नी तोरण यादव, सरपंच गिरधारी निर्मलकर, राम वर्मा, विनोद सिंघानिया, प्रमोद सिंघानिया, गिरीश शर्मा, पवन मुरारका, अशोक सिंह राजपूत, शरद कुम्भकार, नगर पंचायत उपाध्यक्ष दीपक बंसल, विष्णु जोशी, बंटी जोशी, नटवर सिंघानिया, उज्जवल सिंघानिया, गोपाल अग्रवाल , चंद्रशेखर राजपूत, आदर्श जोशी, डॉ. स्वदेश जायसवाल, मनीष ठाकुर, रूद्रेश अग्रवाल, चेतन सिन्हा, वासू बैस, योगेश योगराज साहू, टीकम अग्रवाल, रवि बिंदल, शिवेंद्र बिंदल, लीलू जैन, ललित जैन सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं एवं नगरवासियों ने तीनों नव नियुक्त एल्डरमैनों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

अनिल सिंघानिया

रोहित भारती

बलराम निषाद

प्रभारी समितियों ने पटेवा स्थित सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का किया निरीक्षण, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर दिया जोर

महासमुंद । एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन द्वारा संचालित WEC महासमुंद के ग्राम पटेवा स्थित सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का आज ग्रामोत्थान की प्रभारी समितियों द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रशिक्षण की गुणवत्ता, विद्यार्थियों की प्रगति एवं केंद्र की व्यवस्थाओं का विस्तृत अवलोकन किया गया।

इस अवसर पर श्री नारायण भूषणिया जी (WEC महासमुंद प्रभारी), श्री संजीव पोद्दार जी (EOW जगदलपुर प्रभारी), डॉ. अनिता आचार्य जी (WEC चरामा प्रभारी) एवं श्री सोमनाथ सिन्हा जी (समिति सदस्य) उपस्थित रहे।

सर्वप्रथम प्रभारी समितियों का परिचय हुआ, जिसके पश्चात प्रशिक्षण प्राप्त कर रही बहनों ने अपना-अपना परिचय एवं अनुभव बताया । प्रभारी समितियों ने प्रशिक्षणार्थियों द्वारा तैयार किए गए फ्रॉक, पजामा एवं अन्य परिधानों की सिलाई का बारीकी से निरीक्षण किया तथा उनके कार्य की सराहना की।

इस अवसर पर सभी प्रशिक्षणार्थियों को राम नाम लेखन पुस्तिका एवं सिद्ध पॉकेट हनुमान चालीसा का वितरण किया गया।

बैठक के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को कपड़े के थैले (बैग) बनाने का कार्य भी सौंपा गया। निर्णय लिया गया कि तैयार थैलों का अधिक मात्रा में निर्माण कर उनका निःशुल्क वितरण किया जाएगा, जिससे प्लास्टिक मुक्त अभियान को बढ़ावा मिल सके।

इसके साथ ही महिलाओं को सिलाई प्रशिक्षण के अतिरिक्त इलेक्ट्रीशियन, प्लंबिंग, केक मेकिंग एवं ब्यूटी पार्लर जैसे रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में आगामी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव को हर्षोल्लास एवं सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाने पर भी विचार-विमर्श किया गया। निरीक्षण के दौरान केंद्र की व्यवस्थाओं का अवलोकन कर आवश्यक सुधार एवं विभिन्न समस्याओं पर भी चर्चा की गई।

इस अवसर पर हिम्मन कुमार साहू (एकल ग्रामोत्थान प्रमुख, दंडकारण्य भाग, छत्तीसगढ़), ओमकार साहू (एकल ग्रामोत्थान प्रमुख, मध्य भाग, छत्तीसगढ़), मोहन लाल बघेल (मोबिलाइज़र) एवं प्रेमलता जांगड़े (ट्रेनर) सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रभारी समितियों ने प्रशिक्षणार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि कौशल आधारित प्रशिक्षण महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम है तथा इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम समाज में आत्मनिर्भरता की नई दिशा प्रदान करेंगे।

विद्यालय ग्राम पतईमाता का भी किया गया निरीक्षण

सिलाई प्रशिक्षण केंद्र के निरीक्षण उपरांत फाउंडेशन की प्रभारी समितियों ने पटेवा संच के विद्यालय ग्राम पतईमाता का भी भ्रमण किया। इस दौरान विद्यालय की शैक्षणिक एवं संस्कारगत गतिविधियों का अवलोकन कर बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए संचालित कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त की गई। निरीक्षण के अवसर पर श्री संतोष ध्रुव जी (संस्कार शिक्षा प्रमुख), श्रीमती उत्तरा ध्रुव जी (SSP दीदी), श्रीमती सरोज सहीस जी (महिला समिति प्रमुख), श्रीमती जगबाई ध्रुव जी (महिला समिति अध्यक्ष), श्रीमती भोजबाई ध्रुव जी (महिला समिति उपाध्यक्ष), श्री कन्हैया साहू जी (तुमगांव संच प्रमुख), आचार्या सुश्री नोमिका ध्रुव जी सहित ग्राम समिति के पदाधिकारी एवं विद्यालय के सभी छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। प्रभारी समितियों ने विद्यालय की गतिविधियों की सराहना करते हुए बच्चों को नियमित अध्ययन, संस्कारयुक्त जीवन, अनुशासन एवं राष्ट्रसेवा की भावना के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। साथ ही ग्राम समिति एवं महिला समिति के सदस्यों के साथ विद्यालय के सतत विकास एवं गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने पर भी चर्चा की गई।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

बेमेतरा जिले के प्रतिनिधियों का हुआ सम्मान

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थानखम्हरिया। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, छत्तीसगढ़ की प्रांतीय कार्यकारिणी का भव्य एवं ऐतिहासिक शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह मुख्य अतिथि तथा पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष बसंत मित्तल सहित राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारियों तथा प्रदेशभर से आए अग्रबंधुओं ने सहभागिता की।

समारोह के सफल आयोजन पर प्रदेश अध्यक्ष रामावतार अग्रवाल, प्रदेश प्रभारी ईश्वर अग्रवाल, प्रदेश महामंत्री कर्तव्य अग्रवाल एवं महेश अग्रवाल को समाजजनों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। वक्ताओं ने कहा कि यह आयोजन समाज की एकता, संगठन, सेवा और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है तथा प्रदेश नेतृत्व के कुशल मार्गदर्शन और कार्यकर्ताओं के सामूहिक प्रयास का परिणाम है।

शिव कुमार अग्रवाल, प्रदेश सदस्यता प्रभारी एवं अग्रवाल सभा बिलासपुर के अध्यक्ष ने प्रदेश नेतृत्व और नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को सफल आयोजन के लिए हार्दिक बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि सम्मेलन समाजहित में शिक्षा, सेवा, संस्कार और युवा सशक्तिकरण के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगा।

प्रदेशभर से पहुंचे अग्रबंधुओं की गरिमामयी उपस्थिति, समाज की एकता का दिया संदेश

इस अवसर पर बेमेतरा जिले से जिला अध्यक्ष अनिल सिंघानिया के नेतृत्व में प्रमोद सिंघानिया, शिवेंद्र बिंदल, रौनक मुरारका, सुनील अग्रवाल एवं किरोड़ीमल अग्रवाल ने समारोह में सहभागिता की। आयोजन समिति द्वारा सभी प्रतिनिधियों का दुपट्टा ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। समारोह में प्रदेशभर से पहुंचे अग्रबंधुओं ने समाज की एकजुटता और संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : नारायण भूषणिया द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर-40/44 इंडस्ट्रीयल एरिया बीरगांव उरला रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कराकर एच.डी.डी./49, फेस-2 मेन रोड, कबीर नगर रायपुर से प्रकाशित, संपादक-नारायण भूषणिया मो.नं. 09300491602, RNI पंजीयन क्रमांक: CHHHIN/2010/34778, Email ID- krantirath.cg@gmail.com, / web- www.krantirath.com